मूल्य 1 रु.

वर्षः 9 - अंक : 213, मुंबई, बुधवार, 6 नवंबर, 2019 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

सीएम पद पर गतिरोध खत्म !

महाराष्ट्र में बीजेपी की हाई लेवल बैठक के बाद बोले प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल, बीजेपी के रास्ते शिवसेना के लिए हमेशा खुले, हम करेंगे जनता के जनादेश का सम्मान

बीजेपी बोली– हमारी होगी... सरकार

कभी भी आ सकती है खबर

महाराष्ट्र में चुनाव नतीजों के 13 दिन बाद भी सरकार की तस्वीर साफ नहीं, विधानसभा का कार्यकाल 9 नवंबर को खत्म हो रहा

मुंबई। महाराष्ट्र में सियासी घमासान के बीच बीजेपी और शिवसेना के बीच के मतभेद खत्म होने का नाम नहीं ले रहे हैं। मंगलवार को शिवसेना नेता संजय राउत ने प्रसिद्ध कवि दुष्यंत कुमार की कविता साझा करते हुए एक बार फिर कहा कि सीएम तो शिवसेना का ही होगा। वहीं दूसरी ओर बीजेपी कोर ग्रुप की मीटिंग के बाद पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने कहा है कि शिवसेना की ओर से भारतीय जनता पार्टी को अब तक कोई प्रस्ताव नहीं मिला है और बीजेपी के रास्ते शिवसेना के लिए हमेशा खुल हुए हैं। (शेष पृष्ठ 5 पर)

राकांपा-शिवसेना गठबंधन की चर्चा

राकांपा प्रमुख शरद पवार और संजय राउत की मुलाकात के बाद चर्चा है कि शिवसेना और राकांपा मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश कर सकते हैं। इसमें 8 निर्दलीय विधायक भी शामिल हो सकते हैं। कांग्रेस इन्हें बाहर से समर्थन कर सकती है।

फिर रुलाने लगी प्याज

दो दिनों में दाम पहुंचा 80 रुपये किलो

मुंबई। बेमौसम बारिश और अवाक कम होने के कारण एक बार प्याज के दाम आसमान छूने लगी हैं। कुछ दिन पहले तक 50 रुपये किलो बिकने वाला प्याज 80 रुपये किलो बिक रहा है। सोमवार को दाम 70 रुपय किलो था। आने वाले समय में प्याज के दाम में और बढ़ोतरी की संभावना है। किसानों का कहना है कि मार्केट में प्याज की कमी के कारण दाम में इजाफा हो रहा है। आने वाले 10-15 दिनों तक राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

पीएमसी बैंक के खाताधारकों के लिए विड्रॉल लिमिट बढ़ाकर 50 हजार रुपए की

ग्राहकों के हितों की सुरक्षा के लिए आगे भी कदम उठाएंगे: आरबीआई

संवाददाता/मुंबई। आरबीआई ने मंगलवार को पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव (पीएमसी) बैंक के ग्राहकों के लिए रकम निकासी की सीमा बढ़ाकर 50 हजार रुपए कर दी। आरबीआई ने कहा कि पीएमसी की नकदी (लिक्विडिटी) की स्थिति और भुगतान की क्षमता को देखते हुए विड्रॉल लिमिट बढ़ाने का फैसला लिया। (शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संक्षिप्त खबर

पीएमसी बैंक मामले में आठवें पीड़ित की मौत

मुंबई। सहकारी ऋणदाता पीएमसी बैंक के एक और जमाकर्ता की मौत का मामला सामने आया है। मृतक के परिवारवालों ने मौत का कारण कथित तौर पर इलाज का खर्च नहीं उठा पाना बताया है। मृतक के पोते क्रिस ने बताया कि 74 वर्षीय एंड्रयू लोबो का गुरुवार देर शाम ठाणे के पास काशेली में उनके घर पर निधन हो गया।

एंड्रयू लोबो पीएमसी बैंक पर आरबीआई द्वारा नकदी निकासी की सीमा लगाए जाने के बाद से मारे जाने वाले आठवें जमाकर्ता हैं। आरबीआई के इस फैसले के बाद 23 सितंबर को एक जमाकर्ता ने आत्महत्या कर ली थी। क्रिस ने बताया कि लोबो के बैंक खाते में 26 लाख से अधिक रुपये जमा थे। लोबो इस जमा राशि के ब्याज से अपना गुजारा करते थे। क्रिस ने कहा, दो महीने पहले उनके फेफड़े में संक्रमण हो गया जिसके लिए उन्हें नियमित दवाओं और डॉक्टरों के इलाज की जरूरत थी। उनका पैसा बैंक में अटका हुआ था जिसके कारण उनकी चिकित्सा जरुरतें पूरी नहीं हो पाई।'

मुंबई में बढ़ गई फर्जी विद्यार्थियों की संख्या

मुंबई। महानगर में फर्जी विद्यार्थियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। कॉमन एंट्रेंस टेस्ट सेल (सीईटी सेल) जांच में 29 और फर्जी विद्यार्थियों की पहचान की गई है। कुछ दिनों पहले सेल ने फर्जी दस्तावेज के आधार पर एमबीए में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले 187 विद्यार्थियों की पहचान की थी। इसमें से 25 विद्यार्थी एमबीए में प्रवेश लेने में सफल हो गए थे।

मामला सामने आने के बाद सेल में बीते पांच सालों में निजी कॉलेजों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के दस्तावेज की जांच का निर्णय लिया था। जांच के लिए एक समिति का गठन किया गया था। जांच में विभिन्न कॉलेजों में पढ़ रहें 29 और विद्यार्थी रडार पर आ गए हैं। अधिकारियों के अनुसार प्राथमिक जांच में विद्यार्थियों के दस्तावेज में खामी मिली है। उनके द्वारा जमा किये गए दस्तावेज में लिखे नाम में बदलाव करने की बात सामने आ रही है।

नए मामले सामने आने के बाद कॉलेजों में पढ़ने वाले फर्जी विद्यार्थियों की संख्या बढ़कर 54 हो गई है। आकड़ों के अनुसार बीते 5 सालों में निजी कॉलेजों की प्रवेश परीक्षा के माध्यम से 3 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने कोर्स में प्रवेश लिया है। अब यह सभी विद्यार्थी सेल के रडार पर हैं।

राधाकृष्ण विखे-पाटील की बढ़ी मुश्किलें

मुंबई। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने पद्मश्री विट्ठलराव विखे पाटील सहकारी चीनी मिल में 9 करोड़ रुपये की अनियमितता मामले में निष्पक्ष जांच के आदेश दिए हैं। बॉम्बे हाई कोर्ट की औरंगाबाद पीठ ने 9 करोड़ रुपये कर्ज के प्रकरण में जांच कर 14 नवंबर तक रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया था। इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी और आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस की पीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान पीठ ने हाई कोर्ट के मामले की निष्पक्ष जांच करने का आदेश दिए है और मामले में सभी प्रतिवादी को नोटीस देने का निर्देश दिया। इससे राज्य के गृहनिर्माण मंत्री राधाकृष्ण विखे-पाटील की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रहीं हैं। याचिकाकताओं के मुताबिक, चीनी मिल ने कर्ज माफी योजना के तहत सदस्यों को धोखा दिया है। 2004 में चीनी मिल ने गन्ना किसानों को आधारभूत खुराक (बेसल डोस) देने के लिए यूनियन बैंक से 2.5 करोड़ और बैंक ऑफ इंडिया से 4.65 करोड़ रुपये कर्ज लिए थे। उसे 2009 तक क्रमशः 3.26 करोड़ और 5.87 करोड़ रुपये लौटाने थे। 2009 में राज्य सरकार ने किसानों के लिए कर्जमाफी की घोषणा की।

महाराष्ट्रः शिवसेना की मांगों के आगे झुकने के मूड में नहीं है बीजेपी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में नई सरकार बनाने के रास्ते में रुकावट सोमवार को भी बरकरार रही। हालांकि, बीजेपी की ओर से अब यह साफ संकेत दिया गया है कि वह शिवसेना की दबाव डालने की रणनीति के आगे नहीं झुकेगी। बीजेपी के सूत्रों ने हमारे सहयोगी इकनॉमिक टाइम्स को बताया कि 29 अक्टूबर को शिवसेना के बातचीत से हटने के बाद से उसके साथ कोई विचार-विमर्श नहीं किया गया है। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 8 नवंबर को समाप्त हो रहा है और एक नई सरकार इस दिन तक बनाई जानी है।

इन सबके बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने सोमवार को राजधानी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। फडणवीस ने दावा किया कि वह किसानों की समस्याओं के बारे में बात करने आए थे और सरकार बनाने से इसका संबंध नहीं है। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही बनाई जाएगी। बाद में फडणवीस ने महाराष्ट्र चुनाव के लिए बीजेपी के प्रभारी और महासचिव भूपेन्द्र यादव से मीटिंग में महाराष्ट्र में राजनीतिक गतिरोध पर चर्चा की। बीजेपी का नेतृत्व 121 विधायकों का समर्थन होने का दावा कर रहा है। पार्टी ने 105 सीटें जीती थी और 16 निर्दलीय विधायक उसका समर्थन कर रहे हैं।

इस बीच, शिवसेना के सांसद संजय राउत ने पार्टी के एक अन्य नेता रामदास कदम के साथ महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात की है। राउत ने कहा कि उन्होंने राज्यपाल को बताया कि नई सरकार को जितना जल्द संभव हो शपथ लेनी चाहिए। राउत ने साथ ही कहा कि उन्होंने राज्यपाल को बताया है कि राज्य में सरकार गठन को लेकर चल रही राजनैतिक अनिश्चितता के लिए उनकी पार्टी जिम्मेदार नहीं है। राउत ने कहा, 'गवर्नर ने हमें बताया कि सरकार गठन के लिए अभी कुछ वक्त है। कोई भी पार्टी जिसके पास बहुमत हो वह आगे आकर सरकार बनाने का दावा कर सकती है।'

शिवसेना लोकसभा चुनाव से पहले बातचीत में शामिल 50-50 फॉम्युर्ले के अनुसार ढाई वर्ष के लिए मुख्यमंत्री का पद चाहती है। हालांकि, बीजेपी इसे लेकर स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री के पद पर मोलभाव नहीं किया जाएगा और भविष्य में बातचीत केवल पोर्टफोलियो के वितरण पर हो सकती है।

इंटरनैशनल फ्रॉड, इंजिनियर के कार्ड से 56 ट्रांजैक्शन्स में उड़े रु. 3.3 लाख

मुंबई। मैटरनिटी ब्रेक पर चल रही एक इंजिनियर की नींद आधी रात 2:30 पर उस वक्त उड़ गई जब उन्हें अपने बैंक से एक ऑटोमेटेड कॉल आया जिससे उन्हें पता चला कि वह फ्रॉड का शिकार हो गई हैं। वह सो ही रही थीं कि उनके डेबिट कार्ड से कुछ ही मिनट में 56 ऑनलाइन ट्रांजैक्शन्स हो गए जिससे उनके 3.3 लाख रुपये उड़ गए। उन्होंने इसकी शिकायत कांजुरमार्ग पुलिस में की लेकिन अभी तक केस में कोई सफलता हाथ नहीं लगी है।

महिला के पति ने बताया कि घटना दिवाली के कुछ दिन पहले हुई जिससे उनके परिवार में जश्न का माहौल फीका पड़ गया। उन्होंने बताया कि कार्ड से ट्रांजैक्शन इंटरनैशनली किए गए। उन्होंने दावा किया कि ट्रांजैक्शन के लिए कोई ओटीपी कॉल या मेसेज पर नहीं आया। दंपती ने कहा कि उन्होंने इससे पहले कभी डेबिट कार्ड का इस्तेमाल इंटरनैशनली नहीं किया था। हालांकि, उन्होंने कुछ डमेस्टिक वेबसाइट्स पर बेबी प्रॉडक्ट्स की शॉपिंग जरूर की थी। बीती 22 अक्टूबर को रात करीब 2:30 बजे इंजिनियन को बैंक से ऑटोमेटेड फोन आया जिसमें उनके कार्ड पर किए गए ट्रांजैक्शन्स की जानकारी का प्री-रिकॉर्डेड मेसेज था। कॉल पर बताया गया कि अगर उन्होंने यह ट्रांजैक्शन नहीं किए हैं तो वह कस्टमर केयर पर कॉल करें। उन्होंने कस्टमर केयर पर कॉल कर कार्ड ब्लॉक करा दिया। इस बारे में साइबर एक्सपर्ट विकी शाह ने बताया है, 'ऐसा होने के कई कारण हो सकते हैं। हो सकता है कि उनका कार्ड क्लोन कर लिया गया हो। यह कोई कार्ड इंटरनैशनली इस्तेमाल होता है तो ओटीपी की जरूरत नहीं होती है। एक और संभावना यह है कि कार्ड डीटेल्स किसी को मिल गई हों। हाल ही में ऐसी रिपोर्ट्स थीं कि करीब 1.3 मिलियन कार्ड्स की डीटेल्स लीक हो गई थीं। इस मामले में पुलिस जांच कर रही है।' शाह ने बताया, 'रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार अगर कोई ट्रांजैक्शन इंटरनैशनली होता है, तो बैंक को कार्ड होल्डर के अकाउंट में 10 दिन के अंदर वापस करना होगा।' इंजिनियर के पति ने ट्वीट कर बताया कि बैंक ने एक हफ्ते के बाद ही शिकायत पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा, 'बैंक के प्रतिनिधियों को शक होना चाहिए था जब इतनी सुबह इतने सारे ट्रांजैक्शन्स हिए। उन्हें ट्रांजैक्शन अप्रूव करने से पहले हमें कॉल करना चाहिए था।'

फाइल में बंद राज जल्द ही खुलेंगेः राउत

मुंबई। राज्यपाल से मिलने गए शिवसेना सांसद संजय राउत के फाइल की चर्चा गरम है। पत्रकारों के बार-बार पूछने पर संजय राउत ने कहा कि इंतजार करें, फाइल में बंद राज जल्द ही खुलेंगे। सोमवार को संजय राउत और पर्यावरण मंत्री रामदास कदम राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मिलने गए थे। मुलाकात के दौरान पर्यावरण मंत्री रामदास कदम के हाथ में एक फाइल थी। राऊत नहीं चाह रहे थे कि फाइल मीडिया के सामने आए, लेकिन राजभवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत के समय कदम उस फाइल को बहुत मजबूती से पकड़े हुए थे। उस फाइल के बारे में जब पत्रकारों ने राऊत से पूछा कि फाइल में क्या है, तब कदम ने फाइल को अपने सुरक्षा कर्मियों के हाथ में दे दिया। इसके बाद राऊत शिवसेना पक्ष प्रमुख उद्धव ठाकरे से मिलने के लिए मातोश्री में गए।

विरारः कचरा हुए चुनाव में किए गए वादे!

विरार। हाल में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव के दौरान उम्मीदवारों के विकास के वादे और दावे वसई-विरार में हवा-हवाई साबित हो रहे हैं। जन समस्याएं वसई-विरार शहर मनपा की कार्यप्रणाली की पोल खोल रही हैं। वसई-विरार मनपा क्षेत्र में अवैध बांधकाम, नालों-गटरों की सफाई न होना, सड़कों पर कचरे के ढेर, फुटपाथ के टूटे गटर के ढक्कन जैसी समस्याएं बनी हुई हैं।

विधानसभा चुनाव के दौरान स्थानीय पार्टी के नेता हितेन्द्र ठाकुर ने बयान दिया था कि चुनाव जीतने के बाद ही वसई-विरार के विकास कार्यों पर ध्यान दिया जाएगा।

ठाकुर ने कहा कि विरोधियों ने तालुका की बहुत बदनामी कर ली है। लेकिन, चुनाव जीतने के बाद भी स्थिति जस की तस है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस, मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व), मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301, इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड, मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोनः**9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

बीजेपी के साथ गठबंधन तोड़ेंगे उद्धव ठाकरे, तभी एनसीपी-कांग्रेस देगी समर्थन!

नई दिल्ली/ मुंबई। एनसीपी नेता शरद पवार ने हाल ही में दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की। यह बैठक दिखाती है कि महाराष्ट्र में चुनाव के बाद बीजेपी और शिवसेना के बीच जारी खींचतान पर विपक्ष के शीर्ष नेतृत्व की करीबी निगाह बनी हुई है। बैठक के बाद यह साफ संकेत देखने को मिला कि अगर शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे बीजेपी से गठबंधन तोड़ने का ऐलान करें, तो एनसीपी-कांग्रेस गठबंधन उनके साथ आने को तैयार है।

शिवसेना पहले ही अनौपचारिक रूप से एनसीपी और कांग्रेस नेताओं तक अपनी बात पहुंचा चुकी है। हालांकि विपक्ष संयुक्त रूप से यह चाहता है कि उद्धव ठाकरे सार्वजनिक रूप से यह दिखाएं कि उनकी पार्टी सरकार में सिर्फ बड़ी हिस्सेदारी पाने के लिए सिर्फ बीजेपी के साथ सौदेबाजी तक सीमित नहीं है, बल्कि वह वास्तव में महाराष्ट्र में एक नए राजनीतिक गठबंधन बनाने की दिशा में कदम बढ़ाना चाहते हैं।

पवार ने कहा कि वह जल्द ही सोनिया गांधी से दोबारा मुलाकात करेंगे। उनके इस बयान को ठाकरे को यह बतलाने के तौर पर देखा जा रहा है, वह जो भी चाहते हैं, उस पर जल्द फैसला लें। शिवसेना के साथ गठबंधन में कांग्रेस के सामने 'वैचारिक दुविधा' आने की बात कही जा रही थी। सोनिया गांधी शुरूआत में इस बात को लेकर दुविधा में थीं कि बिल्कुल अलग विचारधारा रखने वाली शिवसेना और कांग्रेस कैसे किसी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष गठबंधन का हिस्सा बन सकती हैं।

हालांकि महाराष्ट्र कांग्रेस के नेताओं, पवार और सोनिया गांधी के बीच जारी ताजा बातचीत से वाकिफ सूत्रों ने बताया कि इस बात को लेकर समर्थन बढ़ रहा है बीजेपी-सेना के बीच विवाद से बने मौके को लेकर विपक्षी गठबंधन को अपने राजनीतिक रुख में बदलाव करना चाहिए। अब इस मत को लेकर राय बन रही है कि बड़े मुद्दों को विचारधारा के नजरिए से नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे राजनीतिक जरूरतों और व्यावहारिक गठबंधन के नजरिए से देखना चाहिए।

पिछले कुछ सालों में कांग्रेस-एनसीपी और शिवसेना ने देशहित वाले और क्षेत्रीय मुद्दों पर रणनीतिक रूप से एकसाथ काम किया है। इसमें प्रणव मुखर्जी और प्रतिभा देवी पाटिल को बीजेपी के बावजूद राष्ट्रपति पद के लिए समर्थन दिया जाना भी शामिल है। पवार के भतीजे अजीत पवार ने शुक्रवार को कहा था, 'बाल ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना के साथ बीजेपी के मतभेद होते थे।' इस बयान से लोग यह सोचने लगे कि क्या दिवंगत सेना प्रमुख आज अपनी पार्टी को लेकर बीजेपी के मौजूदा रवैये को स्वीकार करते, जिसे अब उनके बेटे चला रहे हैं।

सिर्फ 30 मिनट में मेट्रो से पहुंच सकेंगे एयरपोर्ट

मुंबई। दक्षिण मुंबई में रहने वाले लोग जल्द ही घंटों की बजाए मिनटों में एयरपोर्ट तक पहुंच सकेंगे। कुछ ही महीनों में लोगों को एयरपोर्ट के रास्ते पर लगने वाले लंबे ट्रैफिक जाम से निजात मिलने वाली है। दक्षिण मुंबई से हर रोज मुंबईकर एयरपोर्ट आते-जाते हैं। इस दौरान रास्ते में लगने वाले जाम की वजह से एयरपोर्ट तक पहुंचने में लोगों को डेढ़ से दो घंटे का समय लग जाता है। मेट्रो-3 परियोजना का काम पूरा होने के बाद यह सफर केवल 30 मिनट में पूरा होगा।

मेट्रो-3 परियोजना की भूमिगत सुरंग छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनैशनल एयरपोर्ट तक पहुंच गई है। परियोजना के पैकेज-6 के तहत गोदावरी-2 टनल बोरिंग मशीन ने विद्यानगरी से मुंबई एयरपोर्ट तक की सुरंग तैयार कर ली गई है। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने इस रूट की डाउन दिशा का 2.8 कि.मी. मार्ग 2,048 रिंग्स की सहायता से पूरा किया है। 180 दिनों की मेहनत के बाद टटफउछ को मार्ग तैयार करने में शनिवार को सफलता मिली। मई में गोदावरी-2 को विद्यानगरी के शाफ्ट में उतारा गया था। 2 नवंबर को 2.8 कि.मी. टनल का काम पूरा करके एयरपोर्ट के पास स्थित शाफ्ट से ब्इट बाहर आई। परियोजना के तहत कॉर्पोरेशन मुंबई में जमीन से 20 से 25 मीटर नीचे अब तक 37 कि.मी. रूट तैयार कर चुकी है। मेट्रो-3 के लिए कुल 55 किमी लंबा भूमिगत मार्ग तैयार करने का काम तेजी से किया जा रहा है। पूरे मार्ग में कुल 32 सुरंग तैयार होनी हैं, इसमें से 22 सुरंग की खुदाई का काम पूरा कर लिया गया है। टीबीएम की सहायता से 65 दिनों में 4 सुरंग की खुदाई का काम पूरा कर लिया गया है। 27 स्टेशनों वाले मेट्रो-3 परियोजना में 26 स्टेशन भूमिगत होंगे, जबकि सिर्फ 1 स्टेशन ही जमीन पर होगा। वर्ष 2021 तक सरकार ने परियोजना का काम पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

अब पानी के रास्ते मुंबई से सूरत

मुंबई। मुंबई से सूरत पहुंचने के लिए यात्रियों को जल्द ही एक और रास्ता मिलेगा। नवंबर के दूसरे सप्ताह से लोग सड़क, रेल मार्ग के साथ ही जल मार्ग से भी सूरत पहुंच सकेंगे। कोस्टल टूरिज्म को बढ़ावा देने के मकसद से महाराष्ट्र और गुजरात मैरीटाइम बोर्ड ने मुंबई और सूरत के बीच क्रूज सेवा शुरू करने की अनुमति दे दी है। इस महीने से बांद्रा से हजीरा (सूरत) के बीच पहली क्रूज सेवा शुरू हो जाएगी। इस मार्ग पर क्रूज सेवा शुरू करने का जिम्मा बोर्ड ने एसएसआर मरीन सर्विस को सौंपा है।

फिलहाल, मुंबई से गोवा के बीच क्रूज सेवा उपलब्ध है। मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के अनुसार, इस साल जल मार्ग से अब तक करीब 2 लाख 32 हजार घरेलू और विदेशी पर्यटकों ने यात्रा की है। 2017-18 में मुंबई से कुल 46 क्रूज निकले, जिनमें 56 हजार टूरिस्ट्स ने यात्रा की थी। 2018-19 में क्रूज की संख्या बढ़कर 107 और पर्यटकों की संख्या बढ़कर 87 हजार हो गई।

जलमार्ग का सफर यादगार बनाने के लिए तीन डेक वाला क्रूज मुंबई आ गया है। इसका आनंद लेने के लिए लोगों को 3 से 5 हजार रुपये खर्च करने पड़ेंगे। क्रूज में यात्रियों के मनोरंजन का भी पुरा ख्याल रख जाएगा। रेस्ट्रॉन्ट, पार्टी हॉल और कसीनो की व्यवस्था की गई है। तीन डेक वाले लग्जरी क्रूज में 215 लोग सफर कर सकते हैं। क्रूज का टिकट ऑनलाइन खरीदा जा सकता है।

आरंभिक चरण में सप्ताह में एक दिन यह सेवा उपलब्ध होगी। एसएसआर मरीन सर्विस के सीईओ संजीव अग्रवाल के अनुसार, हर गुरुवार शाम 5 बजे बांद्रा वर्ली सी-लिंक से क्रूज प्रस्थान करेगा और शुक्रवार सुबह 9 बजे हजीरा पहुंचेगा। क्रूज से बांद्रा से सूरत के बीच 200 नॉटिकल मील की दूरी 16 घंटे में पूरी होगी। सड़क और रेल मार्ग से यह सफर सामान्यतः 5 से 6 घंटे में पूरा होता है।

फायर स्टेशनों पर लगेंगे एयर बलून

मुंबई। चेंबूर गैस लीक मामले में कुछ ठोस पता न चलने के बाद अब प्रशासन ने सभी फायर स्टेशनों पर एयर बलून लगाने का फैसला लिया है। इससे भविष्य में होने वाली गैस लीक की समस्या को न केवल तुरंत पकड़ा जा सकेगा, बल्कि कौन सी गैस लीक हो रही है, इसकी भी पहचान की जा सकेगी।

गैस लीक मामले की जांच कर रही कमिटी को एक महीने बाद भी कुछ नहीं मिला। इसके कारण कमिटी ने जांच बंद करने का फैसला लिया है। सूत्रों के अनुसार, कमिटी को गैस रिसाव की जगह के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी। ऐसे में भविष्य में इस तरह की समस्याओं का सामना करने के लिए कमिटी ने सभी 33 फायर स्टेशन पर एयर बलून लगाने का सुझाव प्रशासन को दिया है। इससे रियल टाइम में गैस रिसाव की जानकारी मिल सकेगी। आपदा प्रबंधन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, एयर बलून लगाने के साथ ही कमिटी ने उपकरणों के अपग्रेडेशन का सुझाव भी दिया है। वहीं, इस तरह की घटना के लिए एक स्टैंडर्ड ऑफ प्रोसीजर (एसओपी) भी बनाया गया है। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, जांच के दौरान जब कमिटी और बीएमसी अधिकरियों ने स्थानीय लोगों से गैस रिसाव के बारे में प्रश्न किए तो भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल सका।

मंत्रालय के सामने दूध फेंक 'आरसेप' का विरोध

मुंबई। किसान नेता एवं महाराष्ट्र स्वाभिमानी शेतकरी संगठन के नेता राजू शेट्टी ने मंत्रालय के सामने दूध फेंक कर आरसेप का जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। शेट्टी 'आरसेप' करार को रद्द करने की मांग कर रहे थे। आंदोलन के बाद पुलिस ने शेट्टी और उनके समर्थकों को हिरासत में ले लिया। शेट्टी ने आरोप लगाया कि 16 देशों के साथ होने वाले 'आरसेप' करार से किसान, दुग्ध व्यवसाय और वस्त्र उद्योग पूरी तरह से ठप हो जाएंगे। गौरतलब है कि दक्षिण -पूर्व एशियाई राष्ट्र समूह और उसके व्यापारी भागीदार देशों को मिला कर रिजनल कॉम्प्रिहेंसिव इकॉनॉमिक पार्टनरशिप (आरसेप) पर सोमवार को हस्ताक्षर होना थे इसके लिए पीएम मोदी बैंकाक भी गए हैं।

एसी लोकल भी हो रही है वायू प्रदूषण की शिकार

मुंबई। दिल्ली के धुएं को लेकर चचाएं बहुत हैं। इसके चलते मुंबई में भी प्रदूषण पर फिर से बात होने लगी है। लोकल में सफर करने वालों के लिए पश्चिम रेलवे पर चलने वाली एसी सबसे सुरक्षित है, क्योंकि बंद दरवाजों की लोकल में धूल के कण बिलकुल नहीं आते हैं। लेकिन, अब ये ट्रेन भी प्रदूषण का शिकार हो रही है।

लोकल ट्रेनों में हवा के लिए डक्ट बने हुए हैं, ऐसे डक्ट एसी लोकल में भी है। इस डक्ट में धूल के कण जमा होते रहते हैं, जिन्हें पहले 45 दिनों में साफ करना होता है। रेलवे के नए आदेश के बाद अब यही सफाई 60 दिनों में होने लगी है, जिसके कारण धूल के कणों की मात्रा बढ़ रही है और लोकल में सवारी करने वाले भी अप्रत्यक्ष रूप से ही सही, प्रदूषण का शिकार हो रहे हैं।

जिस तरह से घरों में एसी के फिल्टर साफ करने होते हैं, वैसी ही कुछ व्यवस्था लोकल ट्रेनों के लिए भी होती है। एसी लोकल में हवा के लिए और एसी को फिल्टर करने के लिए जो व्यवस्था है, उसमें अब ज्यादा धूल जमने लगी है। 45 दिनों की सफाई को 60 दिनों में करने के कारण इसका असर दिखाई देने लगा है, जिसका असर ट्रेन एसी की क्षमता पर भी पड़ सकता है। एक अधिकारी ने बताया कि बाहर हवा में धूल के कण ज्यादा होने के कारण ट्रेनों के डक्ट पर असर पड़ रहा है। पश्चिम रेलवे के विरार कारशेड में एसी लोकल की 45 दिनों में डक्ट की सफाई होती थी, जो अब 60 दिनों में होगी। लोकल ट्रेनों की अलग-अलग स्तर पर जांच होती है। ट्रेन सर्विस समाप्त होने के बाद रोजाना जांच की जाती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

ये दमघोंटू हवा!

भरी दोपहरी में अंधेरा और दमघोंटू हवा! ये कुछेक दशक पहले तक मुहावरे हुआ करते थे, जो कल्पनातीत स्थितियों और विडंबनाओं के लिए प्रयोग किए जाते थे। लेकिन आज हकीकत हैं। दिल्ली और राजधानी क्षेत्र में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को चेतावनी जारी करनी पड़ी कि वायु प्रदूषण के मानक एक्यूजे का स्तर बेहद घातक है। स्वस्थ आदमी के लिए भी जानलेवा है, जिन्हें सांस या फेफड़े की तकलीफ है, उन्हें तो बेहद बच के रहना ही है। हवा क्यों खराब हुई, यह अब बेहद सामान्य जानकारी का हिस्सा है। आज दोष किसानों पर मढ़ा जा रहा है कि पराली जलाने से दिल्ली और राजधानी क्षेत्र के लोगों का जीवन दूभर हो गया है। लेकिन यह भी लगभग स्वीकृत तय है कि यह उसी आधुनिक विकास का नतीजा है जिसकी अगुआई अपने देश में यही राजधानी करती है और पंजाब, हरियाणा या पश्चिमी उत्तर प्रदेश के उन्हीं हिस्सों से यह धुआं उठ रहा है, जो हरित क्रांति, औद्योगिक क्रांति तथा आधुनिक विकास और जीवन-शैली के लिए जाने जाते हैं। जाहिर है, किसानों को दोष देने से काम नहीं चलेगा। इस इलाके में गाड़ियों, आधुनिक उपकरणों, प्रदूषणकारी उद्योगों, बेतहाशा निर्माण गतिविधियों ने हवा को इतना प्रदूषित कर रखा है कि थोड़ा-सा अतिरिक्त धुआं भी जानलेवा स्थितियां पैदा कर देता है। फिर, किसानों को भी पराली के वैकल्पिक उपयोग के बारे में बताने की कोई योजना ही नहीं सोची गई। पहले पराली बेकार नहीं होती थी, किसान के तरह-तरह के उपयोग में आती थी लेकिन आधुनिक विकास ने उस उपयोग को खत्म कर दिया तो उनके पास उसे जलाने का ही विकल्प बचा। इसका यह मतलब नहीं है कि विकास की दिशा में नहीं बढ़ना चाहिए, बल्कि किसी भी दिशा में बढ़ने के साथ उसके दुष्प्रभावों को सोचकर उपाय किए जाने चाहिए। आधुनिक विकास के जनक यूरोपीय देशों में भी ऐसी स्थितियां आई थीं लेकिन उन्होंने इसका प्रबंधन किया। कुछ दशक पहले लंदन की हवा ऐसी ही जानलेवा हो गई थी। मगर वैकल्पिक उपायों से उसे सुधारा गया। चीन की राजधानी बीजिंग भी ऐसी स्थिति का सामना कर चुकी है। तो क्या हम सीख ले सकते हैं। दिल्ली सरकार देश में सर्वाधिक वाहनों वाले शहर में गाड़ियों के प्रबंधन के लिए ऑड-ईवन नंबरों के फॉमरूले पर चल रही है। यह तात्कालिक उपाय हो सकता है पर दीर्घकालिक उपाय तो गाड़ियों को कम करने से ही संभव है। तो हमें विचार करना चाहिए कि इसे कैसे ठीक किया जाए।

कितना कारगर होगा?

दिल्ली सरकार ने बढ़ते प्रदूषण की खतरनाक स्थिति से निपटने के लिए फिर से ऑड-ईवन फामूर्ला लागू किया है। यह सोमवार यानी 4 नवम्बर से 15 नवम्बर तक रहेगा। हालांकि इस दौरान दोपहिया चालकों, इलेक्ट्रिक वाहनों, आपात वाहनों और वीआईपी वाहनों सहित कुछ अन्य वाहनों को सम-विषम फामूर्ले से छूट दी गई है। यह योजना का तीसरा संस्करण है। उम्मीद है कि इस फॉर्मूले के लागू होने के बाद प्रदूषण में कुछ कमी देखने को मिलेगी।गौरतलब है कि दिल्ली-एनसीआर और आसपास के विभिन्न इलाकों में गैस चेंबर जैसी स्थिति बनी हुई है। यही वजह है कि दिल्ली में सेहत की चिंता में लोग या तो घरों में बंद हैं, या मास्क लगा कर एलियन बन कर घूम रहे हैं। बच्चों के स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

आपात कदम उठाते हुए निर्माण गतिविधियां रोक दी गई हैं, और बड़ी गाड़ियों का दिल्ली में प्रवेश बंद कर दिया गया है। हवा इतनी प्रदूषित हो गई है कि एक आकलन के मुताबिक, हर व्यक्ति 40 सिगरेट पीने जितना धुआं अपने फेफड़ों में भर रहा है। पहले कुछ लोग दिल्ली में प्रदूषण के लिए दिवाली पर आतिशबाजी को भी जिम्मेदार ठहराते थे, लेकिन इस बार पटाखों की बिक्री पर रोक के बावजूद दिल्ली की हवा जहरीली हो चुकी है। स्मॉग का सबसे ज्यादा प्रभाव दिल्ली के लोगों के स्वास्थ पर पड़ रहा है। कहना न होगा कि अस्थमा की शिकायत वाले मरीजों के लिए ऐसे समय में बाहर निकलना किसी खतरे से कम नहीं है। दिल्ली की स्थिति इस कदर खराब हो चुकी है कि इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि राजधानी में कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स 400 के पार पहुंच गया है। यह ठीक है कि इस स्थिति से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने कई फैसले जरूर लिए हैं, लेकिन सचमुच में व्यावहारिक रूप से देखा जाए तो सिर्फ इस एक कदम से दिल्ली में प्रदूषण के स्तर पर कोई खास फर्क नहीं पड़ने वाला है क्योंकि कुछ भी हो सम-विषम फॉमूर्ला आपातकालीन योजना ही है, यह किसी भी तरह दीर्घकालीन समाधान नहीं है। दीर्घकालीन तभी निकलेगा जब हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सरकारें भी इसमें शामिल होंगी और समूचे एनसीआर में औद्योगिक प्रदूषण पर सख्ती से रोक लगेगी। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल भले ही इस योजना को प्रदूषण की रोकथाम के लिहाज से बड़ा कदम मान रहे हों लेकिन विपक्ष को राज्य सरकार की आलोचना का मौका मिल गया है, और तमाम सवाल खड़े हो रहे हैं। केजरीवाल ने इससे

पहले 2016 में ऑड-ईवन लागू किया था। उसके बाद 2017 और 2018 में वो इसे भूल गए। मगर अब चुनावों से ठीक पहले उनका इसे फिर से शुरू करना यह बता रहा है कि अगर आने वाले समय में दिल्ली की हवा साफ होती है, तो इसका सारा क्रेडिट केजरीवाल खुद लेंगे और इसे वोटों में तब्दील करेंगे। हालांकि इन सभी उपायों का एक ही मकसद है-वाहनों की संख्या कम करना और पब्लिक ट्रांसपोर्ट के इस्तेमाल को बढ़ावा देना। अहम सवाल यह है कि अगर समस्या का स्थायी इलाज ढूंढ़ना है तो भारत कई दूसरे देशों से भी सबक ले सकता है। दरअसल, कई अन्य देश भी प्रदूषण की समस्या से जूझ रहे हैं। इन देशों में प्रदूषण से निपटने के कई तरीके अपनाए गए हैं, जिनसे उन्हें कुछ सफलता भी हासिल हुई है। मसलन, एक उदाहरण चीन का लिया जा सकता है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पिछले साल नवम्बर में यही स्थिति थी। तब भी अदालत के आदेश से निर्माण कार्य पर रोक लगा दी गई थी, बड़ी गाड़ियों पर भी पाबंदी लगा दी गई थी और सम-विषम नम्बर वाली गाड़ियों को अलग-अलग दिन चलाने का फैसला हुआ था। पर ये सिर्फ तात्कालिक उपाय हैं। दरअसल, हवा को साफ-सुथरा बनाने का स्थायी उपाय नहीं किया जा रहा है। न तो सार्वजनिक परिवहन की स्थिति सुधारी जा रही है, न पड़ोसी राज्यों को पराली जलाने से रोका जा रहा है, न प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक इकाइयों को बंद किया जा रहा है, और न ही निजी गाड़ियों पर रोक लग रही है। ऐसा नहीं है कि इस मामले में अदालत गंभीर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट भी प्रदूषण को लेकर सक्रिय हो गया है। खैर, 21वीं सदी में जिस प्रकार से हम औद्योगिक विकास और भौतिक समृद्धि की और बढ़े चले जा रहे हैं, हमारी यह बढ़त पर्यावरण संतुलन को समाप्त करती जा रही है। अनेकानेक उद्योग-धंधों, वाहनों व अन्यान्य मशीनी उपकरणों द्वारा हम हर घड़ी जल और वायु को प्रदूषित करते रहते हैं। वहीं, धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिसके कारण पशु-पक्षियों की कई प्रजातियां लुप्त हो गई हैं। यह सब खतरे की घंटी है। हकीकत तो यह है कि स्वच्छ वायु जीवन का आधार है, और वायु प्रदूषण जीवन के अस्तित्व के सम्मुख प्रश्न चिह्न लगा देता है। वायु जीवन के प्रत्येक पक्ष से जुड़ा हुआ है। इसीलिए अति आवश्यक हो जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति वायु के प्रति जागरूक बना रहे और इस प्रकार वायु का शुमार जीवन की प्राथमिकताओं में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कार्यों में होना चाहिए लेकिन अफसोस की बात है कि हम चेत नहीं रहे हैं। प्रदूषण एक या दो साल में कम नहीं होगा। जिन देशों में भी प्रदूषण कम हुआ है, वहां की सरकारों ने इसके लिए लंबे वक्त तक और लगातार काम किया है, इस पर पैसे खर्च किए हैं।

तब जाकर उन्हें सफलता मिली है। साल दर साल बीत जाने के बाद भी भारत में वायु प्रदूषण बढ़ता ही जा रहा है। चाहे केंद्र सरकार हो या फिर राज्य सरकारें, कोई भी प्रदूषण से लड़ने के लिए गंभीर नहीं दिखता। दरअसल, वायु प्रदूषण ऐसा मुद्दा है जो पूरी दुनिया के लिए चिंता की बात है। इसे आपसी सहमति और ईमानदार प्रयास के बिना हल नहीं किया जा सकता। वायु प्रदूषण का मतलब केवल पेड़-पौधे लगाना नहीं है, बल्कि भूमि प्रदूषण, वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण व ध्वनि प्रदूषण को भी रोकना है। वायु प्रदूषण संरक्षण सिर्फ भाषणों, फिल्मों, किताबों और लेखों से नहीं हो सकता, बल्कि हर इंसान को धरती के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। तभी कुछ ठोस नजर आ सकेगा। वक्त कुछ करने का है, न कि सोचने का। यह भी सच है कि दिल्ली में अकेले सरकार के भरोसे बढ़ते प्रदूषण पर काबू पाना कठिन है। इसके लिए लोगों को भी जागरूकता का परिचय देना होगा। भले ही राजधानी में बढ़ते प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए दिल्ली सरकार ने फिर से ऑड-ईवन लागू करने का एक अहम फैसला किया है।

जागरण-चरण

जागरण की तीन सीढ़ियां हैं। पहली सीढ़ी-प्राथमिक जागरण। बुरे का अंत हो जाता है और शुभ की बढ़ती होती है। अशुभ विदा होता होता है। शुभ घना होता है। द्वितीय चरण-शुभ विदा होने लगता है, शून्य घना होता है। और तृतीय चरण-शून्य भी विदा हो जाता है। तब जो सहज अवस्था रह जाती है,जो शुद्ध चैतन्य रह जाता है बोधमात्र, वही बुद्धावस्था है,वही निर्वाण है।शुरू करो जागना तो पहले तुम पाओगे जो गलत है, छूटने लगा। गंदी करके कर रहा है। जैसे धूम्रपान। सिगरेट पीने में पाप नहीं है। बुद्धूपन जरूर है, मूढ़ता जरूर है, लेकिन पाप नहीं है। मूढ़ता इसलिए है कि शुद्ध हवा ले जा सकता था और प्राणायाम कर लेता। प्राणायाम ही कर रहा है। लेकिन नाहक हवा को गंदी करके कर रहा है। धूम्रपान एक तरह का मूढ़तापूर्ण प्राणायाम है। योग साध रहे हैं। मगर वह भी खराब करके।अगर तुम जरा होशपूर्वक सिगरेट पियोगे पीना मुश्किल हो जाएगा। मूढ़ता इतनी प्रकटता से दिखाई पड़ेगी कि हाथ की सिगरेट हाथ में रह जाएगी। तो पहले ऐसी व्यर्थ की चीजें छूटनी शुरू होंगी। फिर धीरे-धीरे तुम जो गलत करते थे, जरा-जरा सी बात पर क्रुद्ध हो जाते थे, नाराज हो जाते थे, वह छूटना शुरू हो जाएगा।

बुद्ध ने कहा है : किसी दूसरे की भूल पर तुम्हारा क्रुद्ध होना ऐसे ही है जैसे किसी दूसरे की भूल पर अपने को दंड देना। और जैसे-जैसे ही बुरा छुटेगा, तो जो ऊर्जा बुरे में नियोजित थी। वह भले में संलग्न होने लगेगी। फिर दूसरा चरण-भले की भी समाप्ति होने लगेगी; क्योंकि प्रेम भी बिना घृणा के नहीं जी सकता। वह घृणा का ही दूसरा पहलू है। वह परिवर्तनीय है। वे एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। तो पहले बुरा गया, सिक्के का एक पहलू विदा हुआ; फिर दूसरा पहलू भी विदा हो जाएगा, फिर भला भी विदा हो जाएगा। और शून्य की बढ़ती होगी। तुम्हारे भीतर शांति की बढ़ती होगी। न शुभ न अशुभ। तुम निर्विषय होने लगोगे, निर्विकार होने लगोगे।और तीसरे चरण में, अंतिम चरण में, यह भी बोध न रह जाएगा कि मैं शून्य हो गया हूं, क्योंकि जब तक यह बोध कि मैं शून्य हूं, तब तक एक विचार अभी शेष है-मैं शून्य हूं, यह विचार शेष है। यह विचार भी जाना चाहिए। यह भी चला जाएगा। तब तुम रह गए निर्विचार,निर्विकल्प। उस को ही पतंजलि ने कहा है निर्बीज समाधि; बुद्ध ने कहा है निर्वाण; महावीर ने कहा है कैवल्य की अवस्था। जो नाम तुम्हें प्रीतिकर हो, वह नाम तुम दे सकते हो-अमि झरत बिगसत कवंल।

शिवसेना को एक और निर्दलीय विधायक का समर्थन

आदित्य को फिर सीएम बनाने की मांग उठी

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में चुनाव परिणाम के 13 दिन बाद भी सरकार गठन को लेकर गतिरोध खत्म नहीं हो रहा। शिवसेना-भाजपा लगातार बयानबाजी कर रही है। दोनों दल अपनी ताकत बढ़ाने के लिए निर्दलीय विधायकों को जोड़ने के प्रयास में जुटी है। इस कड़ी में सिरोल से निर्दलीय विधायक राजेंद्र पाटिल ने सोमवार देर रात शिवसेना प्रमुख उद्धव को समर्थन पत्र सौंपा। अब तक शिवसेना को कुल 8 निर्दलियों का समर्थन मिल चुका है। इस हिसाब से उनकी संख्या 56 से बढ़ कर 64 हो गई। मुंबई में मातोश्री के बाहर एक पोस्टर लगाया गया है। पोस्टर में शिवसेना विधायक आदित्य ठाकरे की फोटो के साथ लिखा है-'मेरा विधायक, मेरा मुख्यमंत्री' यह पोस्टर शिवसेना के कारपोरेटर हाजी हलीम खान ने लगवाए हैं। हालांकि, कुछ दिन पहले शिवसेना ने एकनाथ शिंदे को विधायक दल का नेता चुना है।

सोमवार को चला मुलाकात का सिलसिला: इससे पहले सोमवार को राजनीतिक मुलाकातों का सिलसिला चला। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात की। इसके बाद मीडिया से बातचीत में फडणवीस ने सिर्फ इतना कहा कि महाराष्ट्र में जल्द सरकार का गठन होगा। राकांपा प्रमुख शरद पवार ने भी दिल्ली में सोनिया गांधी से मुलाकात की। पवार ने कहा कि सोनिया से राज्य के राजनीतिक हालातों पर चर्चा हुई। वहीं, शिवसेना सांसद संजय राउत ने राज्यपाल से मुलाकात की।

गठबंधन नहीं करना चाहिए: भाजपा नेता - इस बीच महाराष्ट्र के पर्यटन मंत्री जयकुमार रावल का बयान सामने आया। उन्होंने कहा, पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना है कि भाजपा को शिवसेना के साथ गठबंधन नहीं करना चाहिए। हमें फिर से मौका दें, हम फिर से चुनाव लड़ेंगे और इस बार जीतेंगे।

फाउंडर रितेश अग्रवाल समेत 7 लोगों के खिलाफ एफआईआर

35 लाख की धोखाधड़ी का आरोप

संवाददाता

बेंगलुरु। ओयो होटल्स एंड होम्स के फाउंडर रितेश अग्रवाल और 6 अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। एक होटल व्यवसायी ने ओयो पर पिछले 5 महीनों का भुगतान नहीं करने का आरोप लगाया है। उसने ओयो पर 35 लाख रुपए बकाया होने का दावा किया है। पुलिस ने सोमवार को ये जानकारी दी। बेंगलुरु के डोमलर कस्बे में

स्थित होटल रॉक्सेल इन के मालिक बेट्स फर्नांडिस की शिकायत के मुताबिक ओयो ने उनकी होटल के कमरों की बुकिंग करते हुए हर महीने 7 लाख रुपए देने का वादा किया था, लेकिन मई से भुगतान नहीं मिल रहा। एफआईआर में रितेश अग्रवाल के अलावा ओयो (साउथ) के हेड रोहित श्रीवास्तव, बिजनेस डेवलपमेंट हेड- माधवेंद्र कुमार और गौरब डे, फाइनेंस ऑफिसर- प्रतीक अग्रवाल, मंजीत सिंह और ग्रिमोनी चक्रबर्ती के नाम हैं। इन सभी को गुरुवार को जांच अधिकारी के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। ओयो ने कहा है कि शिकायकर्ता के खिलाफ काउंटर कंप्लेन दर्ज करवाएंगे। उन्होंने एक सिविल विवाद को सनसनीखेज बना दिया। उनके दावे गलत और मानहानि करने वाले हैं। हमारे वकील इस मामले की पड़ताल कर रहे हैं।

(पृष्ठ 1 का शेष)

सीएम पद पर गतिरोध खत्म!

वहीं पार्टी के नेता सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि महाराष्ट्र में किसी भी वक्त सभी को सरकार बनने की खबर मिल सकती है। महाराष्ट्र में बीजेपी कोर ग्रुप की बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए पाटिल ने कहा कि लोगों ने महाराष्ट्र में शिवसेना-बीजेपी के गठबंधन को वोट दिया है। हम इस जनादेश का सम्मान करते हैं और इसी के आधार पर सरकार भी बनाएंगे। हालांकि अब तक हमें शिवसेना की ओर से कोई प्रस्ताव नहीं मिला है और बीजेपी के दरवाजे शिवसेना के लिए हमेशा खुले हैं। वहीं बीजेपी महाराष्ट्र के वरिष्ठ नेता सुधीर मुनगंटीवार ने बैठक के बाद कहा कि इस बात में कोई शक नहीं है कि महाराष्ट्र में अगला सीएम बीजेपी का होगा। सुधीर ने कहा कि हमनें प्रदेश में सरकार बनाने के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की है और हम शिवसेना के फैसले का इंतजार भी करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार हमारी होगी और इस बात में कोई शक नहीं है किंतु-परंतु की स्थिति नहीं है कि सीएम हमारा होगा। आप सभी को कभी भी सरकार बनने की खबर मिल सकती है। बता दें कि शिवसेना और बीजेपी के बीच सीएम पद को लेकर जारी रस्साकशी के बीच उद्धव ठाकरे की पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और संघ प्रमुख मोहन भागवत से हस्तक्षेप की मांग की है। महाराष्ट्र में जारी राजनीतिक ड्रामे के बीच शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के सलाहकार किशोर तिवारी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत से भी खत लिखकर मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। तिवारी ने कहा, हमने मांग की है कि बीजेपी के सीनियर नेता और मंत्री नितिन गडकरी को सेना से बातचीत का काम दें। हमें भरोसा है कि वह न सिर्फ गठबंधन धर्म का सम्मान करेंगे बल्कि दो घंटे के अंदर इस स्थिति को सुलझा लेंगे। उन्होंने दावा किया कि यह रुकावट पार कर ली जाए तो सेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को पहले 30 महीने के लिए मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है और फिर बचे हुए कार्यकाल के लिए बीजेपी फैसला कर सकती है कि उसे सीएम पद पर किसे नामित करना है।

फिर रुलाने लगी प्याज

किसानों के विरोध प्रदर्शन के चलते मंडियों में प्याज और टमाटर की आपूर्ति में काफी अड़चन आ रही है। इस वजह से प्याज और टमाटर के दामों में इजाफा हो गया है। जब प्याज थोक मंडी से रिटेल बाजार में जाती है, तो इसके दाम 60 से 70 रुपये प्रति किलोग्राम हो जाते हैं। वहीं टमाटर रिटेल मार्केट में इन दिनों 70 से 80 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रहा है। गौरतलब है कि हाल ही में केंद्र सरकार ने प्याज और दालों के दाम को नियंत्रण में रखने के लिए नैफेड को बफर स्टॉक से दाल और प्याज की सप्लाई जारी रखने का निर्देश दिया था। देश में प्याज और दाल की कीमतों और उपलब्धता के साथ-साथ सरकार के बफर स्टॉक की समीक्षा के लिए उपभोक्ता मामले मंत्रालय के सचिव अविनाश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में स्थायी समिति की बैठक हुई थी। बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नैफेड, मदर डेयरी, केंद्रीय भंडार, दिल्ली सरकार के प्रतिनिधि और उपभोक्ता मामले विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया था।

पीएमसी बैंक के खाताधारकों के लिए...

आरबीआई के मुताबिक ग्राहक चाहें तो पीएमसी के एटीएम से भी रकम निकाल सकते हैं। इससे विड्रॉल की प्रक्रिया आसान होने की उम्मीद है। निकासी की लिमिट 50 हजार रुपए होने से 78% जमाकर्ता अपनी पूरी रकम निकाल सकेंगे। आरबीआई ने इससे पहले 14 अक्टूबर को लिमिट 25 हजार से बढ़ाकर 40 हजार रुपए की थी। आरबीआई का कहना है कि पीएमसी की स्थिति पर नजर बनी हुई है। जमाकर्ताओं के हितों की सुरक्षा के लिए आगे भी कदम उठाए जाएंगे। आरबीआई ने लोन घोटाले की वजह से पीएमसी पर 23 सितंबर को 6 महीने का प्रतिबंध लगाते हुए ग्राहकों के लिए निकासी की सीमा 1000 रुपए तय कर दी थी।

क्या शरद पवार होंगे महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री?

शिवसेना ने घुमा दिया जवाब

शिवसेना नेता संजय राउत ने शरद पवार के सीएम होने के सवाल पर कहा कि वो दिल्ली के बड़े नेता हैं, आप उन्हें यहां महाराष्ट्र में क्यों लाना चाहते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि शिवसेना एनसीपी के संपर्क में है।

महाराष्ट्र में किसकी सरकार बनेगी और किस दल के सहयोग से बनेगी, इसे लेकर स्थिति बेहद पेचीदा नजर आ रही है। शिवसेना अपनी सहयोगी बीजेपी को तेवर दिखा रही है तो एनसीपी के प्रति नरम नजर आ रही है। शिवसेना नेता संजय राउत कह रहे हैं कि शिवसेना एनसीपी के संपर्क में है। हालांकि, जब उनसे सवाल किया गया कि क्या महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री एनसीपी प्रमुख शरद पवार हो सकते हैं तो राउत ने उन्हें दिल्ली का नेता बताकर अपना जवाब घुमा दिया। संजय राउत ने शरद पवार के सीएम होने के सवाल पर कहा, वो (शरद पवार) दिल्ली के बड़े नेता हैं, आप उन्हें यहां महाराष्ट्र में क्यों लाना चाहते हैं। साथ ही संजय राउत ने ये भी कहा कि मेरी शरद पवार से बात हुई है और दूसरी पार्टियां भी उनके संपर्क में हैं।

यानी शिवसेना भले ही बीजेपी से बगावत कर एनसीपी या कांग्रेस के सहयोग से सरकार बनाने के मूड में हो लेकिन मुख्यमंत्री पद की जो लड़ाई वह बीजेपी से लड़ रही है उससे किसी किस्म का कंप्रोमाइज शिवसेना नहीं करना चाहती है। वहीं, दूसरी तरफ शरद पवार ने बयान दिया है कि शिवसेना के किसी नेता ने उनसे संपर्क नहीं किया है। सोमवार को कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से मिलकर शरद पवार ने शिवसेना के साथ मिलकर सरकार बनाने पर था कि अगर ऐसी चर्चा होगी तो सिर्फ उद्धव ठाकरे से होगी। इस तरह शिवसेना और एनसीपी दोनों की तरफ से खूब बयानबाजी हो रही है, लेकिन अब तक किसी ठोस नतीजे पर दोनों दलों की बात कम से कम आधिकारिक तौर पर तो जाती दिखाई नहीं दे रही है।

दिल्ली पुलिस की सभी मांगें मानी गईं

10 घंटे बाद धरना खत्म

दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट के बाहर 2 नवंबर को पुलिस और वकीलों के बीच जो हिंसक झड़प का मुद्दा और भी गरमा गया है। हालांकि, पुलिस की सभी मांगों को मानने के बाद मुख्यालय के सामने से पुलिसकर्मियों का धरना खत्म हो गया है। प्रदर्शनकारी वहां से हटने लगे हैं। साथ ही सुबह से रोका गया ट्रैफिक 10 घंटे के बाद बहाल कर दिया गया है। दिल्ली पुलिस ने अपने कर्मियों की सभी मगें मान ली हैं।

हालांकि, पुलिसकर्मी अब मुख्यालय से हटकर इंडियागेट पहुंचने लगे हैं। वहां पर धरना शुरू हो गया है। इस बीच हिमाचल प्रदेश आईपीएस असोसिएशन ने भी तीस हजारी कोर्ट में हुए दिल्ली पुलिस पर हिंसा की निंदा की है। इससे पहले मंगलवार सुबह से ही दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर सैकड़ों की संख्या में जवान जुटे हैं और नारेबाजी कर रहे हैं। पुलिस कमिश्नर की ओर से जवानों से प्रदर्शन वापस लेने की मांग की गई है, लेकिन जवान हैं कि वापस हटने का नाम नहीं ले रहे हैं।

स्पेशल पुलिस कमिश्नर आरएस कृष्णा ने प्रदर्शन कर रहे पुलिसकर्मियों से घर जाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आपकी सभी मांगों पर विचार किया जा रहा है। इस घटना में जो भी पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, उनका इलाज दिल्ली पुलिस कराएगी। साथ ही घायलों को 25 हजार रुपए मुआवजा भी दिया जाएगा। पिछले 10 घंटे में 6 सीनियरों अफसरों की ओर से प्रदर्शन खत्म करने की अपील की गई है।

अमित शाह से मिले गृह सचिव

बताया जा रहा है कि इस मामले को लेकर गृह सचिव अजय भल्ला गृह मंत्री अमित शाह से मिले हैं। उन्होंने पुलिस और वकीलों के बीच हुए हिंसक झड़प मामले की जानकारी अमित शाह को दी है। साथ ही दिल्ली पुलिस मुख्यालय पर वल रहे प्रदर्शन से भी अवगत कराया है। वहीं, हेडक्वॉर्टर पर प्रदर्शन कर रहा एक पुलिसकर्मी बेहोश हो गया है, जिसे अस्पताल पहुंचाया गया है।

इंडिया गेट पर भी परिजनों ने किया विरोध

गृह मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि मामले की न्यायिक जांच चल रही है। जांच के नतीजे का इंतजार करना चाहिए। गृह मंत्रालय मामले में पूरी नजर बनाए हुए हैं।

सस्पेंड पुलिसकर्मियों को बहाल करने की मांग

रिटायर्ड पुलिसकर्मियों का एसोसिएशन भी प्रदर्शन में शामिल हो गया है। प्रदर्शन कर रहे पुलिसवालों का कहना है कि हमारे अधिकारी ही हमारी नहीं सुन रहे हैं। पुलिसवालों की मांग है कि सस्पेंड पुलिसकर्मियों को बहाल किया जाए और दोषी वकीलों का लाइसेंस रद्द की मांग की है। दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के दफ्तर में दिल्ली के सभी छह जिला अदालतों के बार एसोसिएशन की मीटिंग हो रही है। मीटिंग में बार काउंसिल ऑफ इंडिया के आला पदाधिकारियों को भी बुलाया गया है। पुलिस–वकीलों के विवाद में बीच का रास्ता निकालने और जांच कार्रवाई में तेजी की कोशिश की जा रही है।

मंदबुद्धि बच्चों के लिए 1 रुपए में शुरू हो रही है नर्सरी

बच्चों को शिक्षा देना यह आज एक बड़ा ही महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है जिसे आज लगभग हर माता पिता निभा रहे है। पर जब यही बच्चे मंदबुद्धि होते है तो माता पिता की जिम्मेदारी और तकलीफ और बढ़ जाती है। इन बच्चों के लिए स्कूल काफी कम है और वहां की फीस इतनी है कि कमर ही टूट जाती है। ऐसे में नंदिनी डिवाइन चाइल्ड हब जिसकी स्थापना दिलीप अमलानी ने की है, यहां मंदबुद्धि बच्चों को सिर्फ 1 रुपए में शिक्षा प्रदान करने का बीड़ा उठाया है। सिर्फ पढ़ाई नही बल्कि यहां पर बच्चों की देखभाल और इलाज भी मुफ्त में किया जा रहा है। साथ ही हर रविवार की तरह इस रविवार को भी दिलीप अमलानी की ट्रस्ट जयाबेन पोलीक्लीनिक द्वारा मुफ्त में नाश्ता दिया गया।

दिल्ली का प्रदूषण देश व दुनिया के लिए चेतावनी

अशोक भाटिया

नई दिल्ली में वायु प्रदूषण रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचना देश व दुनिया के लिए एक चेतावनी है कि वायु प्रदूषण कम करने के लिए शीघ्र निर्णायक पहल शुरू की जाए। भारत की राजधानी में धुंध और इसका प्रतिकूल प्रभाव नागरिकों के दैनिक जीवन पर पड़ रहा है। आज धुंध दिल्ली की आम समस्या बन गई है। दिल्ली के बच्चे हर सांस लेने में तकलीफ महसूस कर रहे हैं। दिल्ली की स्थिति विश्व के लिए खतरे की घंटी है।

यह सभी भारत सहित सहित सभी देशों और सभी शहरों के लिए सचेत हो जाने की चेतावनी है जहां बढ़ता वायु प्रदूषण स्तर बच्चों की मौत और बीमारी का बड़ा कारण बन गया है। इस चेतावनी का बिल्कुल स्पष्ट संदेश है कि जब तक वायु प्रदूषण कम करने के लिए निर्णायक कार्रवाई नहीं की जाएगी, दिल्ली जैसी स्थिति आम समस्या बनकर पूरे भारत सहित पूरे विश्व में फैल सकती है। दिल्ली में दिवाली के बाद वायु प्रदूषण रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है। पिछले 17 साल की तुलना में इस साल राजधानी की धुंध सबसे खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है जिस वजह से शहर के 5,000 स्कूल तीन दिन के लिए बंद करा दिए गए। आंकड़ों के मुताबिक, राजधानी के कुछ हिस्सों में प्रति घनमीटर वायु में खतरनाक तत्वों का वायु प्रदूषण स्तर 999 माइक्रोग्राम तक पहुंच गया था और सुरक्षित मानक की तुलना में 15 से 17 गुना ज्यादा था। जानकारों का मानना है कि वायु प्रदूषण का खतरनाक स्तर बच्चों को कई जानलेवा बीमारियों की चपेट में ले रहा है और यह सिर्फ दिल्ली के लिए चुनौती नहीं है बल्कि पूरी दुनिया के शहरों की चिंता है। यह एक चेतावनी है कि 5 साल से कम उम्र के लगभग दस लाख बच्चों की मौत प्रति वर्ष निमोनिया से हो जाती है और इनमें से आधे से ज्यादा मामलों के लिए वायु प्रदूषण जिम्मेदार है।

वाराणसी और लखनऊ जैसे अन्य भारतीय शहरों की स्थिति भी हाल के दिनों में उतनी ही बदतर हुई है। पिछले एक साल के दौरान लंदन, बीजिंग, मेक्सिको सिटी, लॉस एंजिल्स और मनीला का वायु प्रदूषण स्तर अंतरराष्ट्रीय मानकों की तुलना में कई गुना बढ़ चुका है। दुनिया के 30 करोड़ बच्चे ऐसे क्षेत्रों में रहते हैं जहां की आबोहवा का अधिकतम विषाक्त स्तर अंतरराष्ट्रीय मानकों के छह गुना से भी अधिक है। यूनिसेफ के मुताबिक, लिहाजा सभी देशों को वायु प्रदूषण स्तर में कमी लाने के लिए अधिक ठोस उपाय करना चाहिए।

शशिकला के खिलाफ आयकर विभाग की बड़ी कार्रवाई

1500 करोड़ रुपये की बेनामी संपत्ति जब्त

एआईएडीएमके की पूर्व महासचिव वीके शशिकला के खिलाफ आयकर विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। आयकर विभाग के अधिकारियों ने शशिकला की 1500 करोड़ रुपये की संपत्ति को जब्त कर लिया है। ये कार्रवाई बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम के प्रावधानों के तहत हुई है। तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत जे जयललिता की लंबे समय तक मित्र रहीं शशिकला भ्रष्टाचार मामले में चार साल जेल की सजा काट रही हैं। आयकर विभाग ने ऑपरेशन 'क्लीन मनी' के तहत शशिकला और उनके रिश्तेदारों की संपत्तियों पर छापे के दौरान दस्तावेजों का पता लगाया था। इन संपत्तियों को नोटबंदी के बाद खरीदा गया था। शशिकला की चेन्नई, कोयम्बटूर, पुदुचेरी और तमिलनाडु में कुछ स्थानों पर संपत्ति है, जिसे आयकर विभाग ने जब्त कर लिया है।

2017 से जेल में बंद हैं शशिकला: कथित तौर पर इन सभी संपत्तियों का व्यवरण शशिकला या उनके परिवार ने कभी अपनी संपत्ति की घोषणा करते समय नहीं किया था। शशिकला फरवरी 2017 से जेल में बंद हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बेंगलुरु की एक विशेष अदालत द्वारा उन्हें आय से अधिक संपत्ति के मामले में दोषी ठहराया और उन्हें चार साल कैद की सजा सुनाई। दिसंबर 2016 में जयललिता के निधन के बाद एआईएडीएमके की बागडोर संभालने वाली शशिकला को बाद में तत्कालीन मुख्यमंत्री पलानीस्वामी के नेतृत्व वाले खेमे ने पार्टी से निकाल दिया था। उनके रिश्तेदार इलावरासी और वी एन सुधाकरन भी मामले में चार साल की जेल की सजा काट रहे हैं। जयललिता की मौत में कथित संलिप्तता को लेकर भी शशिकला से पूछताछ हो चुकी है।

जयललिता–शशिकला की तीन दशकों तक रही दोस्ती: शशिकला जयललिता की सबसे करीबी थीं और जयललिता उन पर बेहद विश्वास करती थीं। करीब तीन दशकों तक दोनों के बीच गहरी दोस्ती रही। कुछ लोग शशिकला को जयललिता की परछाई कहा करते थे। 2011 में शशिकला पर जयललिता को धीमा जहर देकर मारने की कोशिश करने का गंभीर आरोप लगा। आरोप था कि शशिकला जयललिता की हत्या के बाद अपने पति नटराजन को मुख्यमंत्री बनते देखना चाहती थीं। इसके बाद जयललिता ने शशिकला को पार्टी से निकाल दिया और उनसे पूरी तरह दूरी बना ली। हालांकि बाद में शशिकला ने उनसे माफी मांग ली। जयललिता का दिल पिघल गया और उन्होंने शशिकला को माफ कर दिया।

भारत–अमेरिका की थल, जल और वायु सेना पहली बार संयुक्त अभ्यास करेंगी

भारतीय और अमेरिकी सेना की तीनों विंग पहली बार संयुक्त अभ्यास करेंगी। यह युद्धाभ्यास 13 से 21 नवंबर तक आंध्रप्रदेश के काकीनाडा और विशाखापट्टनम में होगा। मानवीय मदद और आपदा राहत पर केंद्रित इस युद्धाभ्यास का नाम 'टाइगर ट्रंफ' रखा गया है। अमेरिका के गृह मंत्रालय ने सोमवार को कहा- इस महीने के अंत तक भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना और अमेरिका की आर्मी, नेवी, एयर फोर्स और मरीन कॉर्प्स एक साथ अभ्यास करेंगी। दरअसल, समुद्र में लूट और तस्करी रोकने के लिए अमेरिका के 10वें राष्ट्रीय दक्षिण-पूर्व एशिया सहयोग और प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 9 दिन के इस युद्धाभ्यास का आयोजन किया जा रहा है। अमेरिका ने इसे इंडो-पैसेफिक क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग बढ़ाने का उदाहरण कहा है। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका ने भारतीय प्रशांत क्षेत्र के सहयोगियों के साथ सुरक्षा सहयोग पर 770 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। 'टाइगर ट्रंफ' नाम का यह अभ्यास भी अमेरिका की इंडो-पैसेफिक रणनीति का हिस्सा होगा।

अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद नजरबंद किए गए 31 नेताओं का होटल बिल 2.65 करोड़ रुपए

केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35-ए को 5 अगस्त को हटा दिया था। इसके बाद, राज्य में कानून-व्यवस्था के बिगड़ने की आशंका व्यक्त की गई थी। इसको देखते हुए राज्य के कई पूर्व मंत्रियों एवं विधायकों समेत विभिन्न दलों के 31 नेताओं को हिरासत में लेकर होटल में रखा गया था, जिसका पिछले तीन महीने का बिल सरकार के पास पहुंचा है जो कि 2.65 करोड़ रुपये है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया- नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के 31 नेताओं को भारतीय पर्यटन निगम के सेंटॉर होटल में पिछले तीन माह से रखा गया है। सरकार को जब इसका 2.5 करोड़ से ज्यादा का बिल मिला तो उसकी आलोचनाएं हुईं। अधिकारियों ने नेताओं को दूसरे स्थान पर भेजने की प्रक्रिया शुरू की। सूत्रों ने बताया, होटल में सर्दी से बचने की उचित व्यवस्था नहीं है। ऐसे में नेताओं को इसमें रखना मुश्किल होगा। खासकर, जब तापमान शून्य से नीचे जाएगा। अधिकारी होटल के निकट स्थित एसके अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में नेताओं को स्थानांतरित करने में विफल रहे। होटल को उप-जेल में बदल दिया गया है। उन्होंने कहा, होटल की ओर से दिया गया बिल भी चिंता का विषय है। होटल ने इन बंदियों को रखने के लिए गृह विभाग को 2.65 करोड़ रुपये का बिल थमाया है। होटल का भुगतान सरकारी दरों के अनुसार किया जाएगा। सरकार को प्रति व्यक्ति 6,000 रुपये से 8,000 रुपये के आसपास का बिल दिया जा रहा था, लेकिन केवल 800 रुपये ही मंजूर किए जाएंगे। उन्होंने कहा, दो नेताओं को एक कमरे में रखा जा रहा है और उन्हें शाकाहारी भोजन परोसा जाता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

काली कमाई का गढ़ था नोएडा, इसलिए सीएम के न जाने का मिथक फैलाया गया: योगी

लखनऊ। पहले राष्ट्रीय रेरा कॉन्क्लेव का उद्घाटन करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नोएडा काली कमाई का गढ़ था, इसलिए मुख्यमंत्री वहां न जाएं, इसका मिथक फैलाया गया था। लोग जानते थे कि अगर कोई संवेदनशील मुख्यमंत्री वहां जाएगा तो उसे काली कमाई के राज भी पता चल जाएंगे। सीएम ने कहा कि करीब तीन साल के कार्यकाल में हमारी सरकार ने उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदली है। पहले लोग यहां आने से डरते थे। अब यहां निवेश करते हैं। अब तक निजी क्षेत्र में ही दो लाख करोड़ रुपये का निवेश आ चुका है।

सीएम ने कहा कि जब हमारी सरकार बनी तब नोएडा को लेकर मिथक था। सरकार बनते ही हमसे नोएडा और ग्रेटर नोएडा के घर खरीदारों का एक प्रतिनिधिमंडल मिला। हमने उनकी बातें सुनीं और फिर संबंधित बिल्डर से बात की। दोनों को आमने-सामने बैठाया। हमने अधिकारियों को साफ कर दिया कि हमें आवंटियों के भी हित देखने हैं और बिल्डरों की समस्याओं को भी देखना है। हमें पूर्वाग्रह नहीं रखना

है। हमारी कोशिशों, मंत्रियों की बैठकों का नतीजा यह निकला कि पहले साल हम एक लाख आवंटियों को मकान दिला पाने में सफल रहे। बाद में आवंटी सुप्रीम कोर्ट चले गए। अब जैसा भी फैसला सुप्रीम कोर्ट करेगा, उसे माना जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में पहले आंवटी पैसा जमा करते थे, लेकिन उन्हें समय से मकान नहीं मिलता था। इसकी बड़ी वजह राजनीतिक और आर्थिक बेईमानी और बदनीयती थी। आवंटियों का पैसा यहां से लेकर कहीं लगा दिया जाता था या फिर उन्हें किसी और को दे दिया जाता था। यह सब यूपी में हमें विरासत में मिला। लेकिन हम इसे सुधार रहे हैं। पहले यूपी आने से लोग डरते थे। हर दूसरे दिन दंगा होता था। अब यहां लोग सुरक्षित महसूस करते हैं। मेट्रो परियोजना के क्षेत्र में हमने बेहतर काम किया। लखनऊ मेट्रो, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद मेट्रो चल रही है। कानपुर और आगरा में काम हो रहा है। लोगों को आवास, शौचालय और बाकी की योजनाएं चलाई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लेटलतीफ चल रहे प्रॉजेक्ट्स के कारणों को जानने और उन्हें दूर करने के उपायों के बारे में दो समितियां बनाई गई थीं। उनकी रिपोर्ट आ गई है। मुख्य सचिव से कहा है कि वे इन दोनों रिपोर्ट का अध्ययन करके हमारे सामने रखें। रिपोर्ट की सिफारिशें लागू की जाएंगी। मैं यहां पर बिल्डरों और आवंटियों दोनों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि दोनों के हितों का ध्यान रखा जाएगा। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि यूपी में हाल के समय में बेहतर काम हुआ। उन्होंने कहा कि यूपी पहले तमाम योजनाओं में बेहतर परफॉर्म नहीं कर रहा था। लेकिन इस सरकार में काफी काम हुआ। रेरा में परफॉर्मेंस अन्य राज्यों की तुलना में ज्यादा अच्छा है। 2017 के बाद से यूपी में 72 किलोमीटर से ज्यादा ऑपरेशनल मेट्रो चल रही है। 100 किलोमीटर से ज्यादा की मेट्रो का प्रॉजेक्ट सैंक्शन है। स्मार्ट सिटी परियोजना में यूपी में 18 से 20 हजार करोड़ रुपये का काम सैंक्शन है। ओडीएफ 100 फीसदी हो गया है। जब भी रियल एस्टेट का इतिहास लिखा जाएगा तो उसके दो खंड होंगे प्री-रेरा और पोस्ट रेरा एरा। पहले इसमें ब्लैक मनी लगती थी। कृषि के बाद जो सबसे बड़ा क्षेत्र था, उसके लिए कोई रेग्युलेटर नहीं था। लेकिन केंद्र में हमारी सरकार आने के बाद दो साल के भीतर इसे लागू करवाया गया। हरदीप सिंह पुरी ने 15-17 नवंबर को शहरी यातायात पर बड़ी कॉन्फ्रेंस लखनऊ में आयोजित करवाने की घोषणा की है।

महिला आर्किटेक्ट से बीच सड़क छेड़छाड़, विरोध पर मारा मुक्का

नई दिल्ली। साउथ दिल्ली के नेब सराय इलाके में 5-6 लड़कों ने रविवार शाम एक महिला आर्किटेक्ट के साथ सरेराह छेड़छाड़ और मारपीट की। बताया जा रहा है कि लड़के सड़क के बीचोंबीच चल रहे थे। कार सवार महिला ने हॉर्न बजाकर इन्हें हटने को कहा था। आरोप है कि इसी बात को लेकर इन्होंने महिला के साथ छेड़खानी शुरू कर दी। विरोध करने पर इन्होंने महिला के मुंह पर मुक्का मार दिया। लोगों से मदद नहीं मिलने और 100 और 112 नंबर पर पुलिस से बात नहीं हो पाने के बाद वह किसी तरह वहां से बचकर निकल गईं। बाद में पीड़ित महिला ने नेब सराय थाने में मामला दर्ज कराया। पुलिस आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश में जुट गई है।

पीड़ित महिला ने पुलिस को बताया है रविवार शाम ऑफिस के बाद अपने घर सैनिक फॉर्म लौट रही थीं। करीब 7 बजे एन ब्लॉक रोड पर उनकी कार के आगे 5-6 लड़के आ गए। इस पर उन्होंने हॉर्न बजाया, लेकिन लड़के नहीं हटे। उन्होंने कार का शीशा नीचे करके लड़कों से हटने के लिए कहा। आरोप है कि लड़कों ने उनके साथ बदतमीजी शुरू कर दी। इसके बाद कुछ लड़कों ने विंडो के अंदर हाथ डालकर उनके साथ छेड़छाड़ की। उन्होंने जब इसका विरोध किया तो लड़कों ने उनके मुंह पर मुक्का मार दिया।

महिला की मदद के लिए आसपास मौजूद कोई भी शख्स आगे नहीं आया। इसके बाद उन्होंने 100 और 112 नंबर पर कॉल की, लेकिन कई कोशिशें के बाद भी उनकी बात नहीं हो पाई। इसके बाद वह किसी तरह से वहां से बचकर निकल गाई। घर पहुंचने के बाद वह सिक्युरिटी गार्ड को घटनास्थल पर लेकर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी वहां से जा चुके थे। इसके बाद महिला ने पुलिस में शिकायत दी। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। बताया जाता है कि पीड़ित महिला ने कुछ दिन पहले भी पुलिस को इलाके में कुछ अराजक तत्वों के घूमने की शिकायत दी थी। मुमकिन है कि उससे गुस्साए किसी ग्रुप ने महिला पर हमला किया हो।

कमलनाथ सरकार के आगे खाली जा रहे बीजेपी के दांव!

इंदौर। झाबुआ सीट जीतने के बाद कांग्रेस ने मध्य प्रदेश विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा हासिल कर लिया है। हालांकि उसे आगे भी इसे बरकरार रखने के लिए पवाई विधानसभा सीट पर होने वाले आगामी उपचुनाव में जीत हासिल करनी होगी। पवाई से बीजेपी विधायक को अयोग्य करार दे दिया गया है, जिसे राज्य में बीजेपी के लिए एक और झटके के तौर पर देखा जा रहा है। बीजेपी ने पिछले महीने हुए एक उपचुनाव में झाबुआ सीट भी गंवा दी थी, जिससे 230 सदस्यों वाली विधानसभा में उसकी संख्या घटकर 108 पर आ गई है। वहीं झाबुआ में जीत के बाद कांग्रेस के विधायकों की संख्या 115 पर पहुंच गई है।

बीजेपी विधायक प्रहलाद

लोधी को पिछले हफ्ते एक निचली अदालत ने दो साल की सजा सुनाई थी, जिसके बाद मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें अयोग्य करार दे दिया। इसके साथ ही मध्य प्रदेश विधानसभा में सदस्यों की संख्या 229 हो गई है, जिसमें कांग्रेस के पास बहुमत है। मध्य प्रदेश कांग्रेस की प्रवक्ता शोभा ओझा ने बताया, 'झाबुआ में जीत के बाद कांग्रेस के पास 115 सीट हो गई है और पवाई उपचुनाव में जीत के बाद हम 116 सीटों के साथ अकेले बहुमत में होंगे। हमारी सरकार पूरी तरह मजबूत और स्थिर है।' राज्य विधानसभा में बीजेपी की सीटों की संख्या घट रही है और उसके शीर्ष नेताओं के बीच आंतरिक कलह की भी खबर आ रही है।

चार महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने एक सीट को छोड़कर राज्य की सभी सीटों पर जीत हासिल की थी। इसके बावजूद बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष राकेश सिंह के नेतृत्व को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। बीजेपी नेताओं ने मध्य प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस की नाव डुबाने की बात कही थी, लेकिन अभी तक कमलनाथ की अगुआई वाली सरकार ही बीजेपी पर भारी पड़ती दिख रही है।

बिहार में नहीं 15 साल से ज्यादा पुराने सरकारी वाहन

पटना। बिहार में 15 साल से पुराने सभी सरकारी वाहनों का इस्तेमाल बंद कर दिया जाएगा। इसके अलावा 15 साल पुराने सभी कमर्शल वाहन पटना और आसपास के इलाकों में नहीं चलेंगे। सोमवार को सरकार की ओर से यह ऐलान किया गया। यह आदेश मंगलवार से लागू हो जाएगा।

चीफ सेक्रटरी दीपक कुमार के मुताबिक, राज्य के कुछ जिलों में प्रदूषण के बढ़ते स्तर के मद्देनजर यह फैसला मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक उच्च स्तरीय बैठक में लिया। दीपक कुमार ने कहा, 'राज्य सरकार ने तय किया है कि 15 साल से ज्यादा पुराने सभी सरकारी वाहन प्रदेश भर में बैन कर दिए जाएंगे।

पोर्टल पर डेटा नहीं तो रुकेगा शिक्षकों का वेतन

लखनऊ। मानव संपदा (एचआर) पोर्टल पर बेसिक शिक्षकों का सेवा विवरण उपलब्ध न होने पर उनका वेतन रोका जा सकता है। साथ ही सेवा संबंधी दूसरे लाभ मिलने में भी मुश्किल आ सकती है। बेसिक शिक्षा निदेशक सर्वेंद्र विक्रम सिंह ने सभी बीएसए को पत्र लिखकर जल्द विवरण अपलोड कराने को कहा है। ताकीद भी दी है कि वेतन रुकने से कोई अप्रिय स्थिति पैदा हुई तो संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी और बीएसए जिम्मेदार होंगे।

प्रदेश में 1 नवंबर से शिक्षकों की छुट्टियों को ऑनलाइन किया जा चुका है। अब छुट्टियों के आवेदन ऑफलाइन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इसके साथ ही आगे चलकर कर्मचारियों के सेवा लाभ और विवरण सहित सभी प्रक्रिया मानव संपदा पोर्टल के तहत की जानी है। बावजूद इसके कई जिलों में अब तक शिक्षकों का सेवा विवरण अपलोड कर उसका वैरिफिकेशन पूरा नहीं किया गया है। बेसिक शिक्षा विभाग में कुल 5.92 लाख शिक्षक कर्मचारी हैं। इसमें 90% की सर्विस बुक एंट्री मानव संपदा पोर्टल पर शुरू की जा चुकी है।

सर्दियों में घूमने का बना रहे हैं प्लान

ये जगह हैं बेस्ट ऑप्शन

सर्दियों का मौसम आ चुका है, हल्की हल्की ठंड का अहसास होने लगा है। बहुत से लोगों को सर्दी के मौसम में घूमने का शौक होता है। अब बात आती है कि सर्दी के मौसम में घूमने के लिए कहां का प्लान बनाया जाए। सर्दी में घूमने जाने से पहले यह भी समझना जरूरी होता है कि कहां जाने में सर्दी के मौसम का इंजॉय किया जा सकता है। आइए जानते हैं ऐसी जगहों के बारे में...

जैसलमेर
राजस्थान के शहर जैसलमेर को गोल्डन सिटी भी कहा जाता है। सर्दियों के दौरान जैसलमेर घूमने का प्लान बना सकते हैं। राजस्थान का यह शहर घूमने के लिए बढ़िया जगह है। यहां घूमने आने वाले पर्यटक जैसलमेर की सड़कों पर सैर, वहां की मार्केट में खरीदारी और राजस्थानी खाने का स्वाद ले सकते हैं।

वाराणसी
उत्तर प्रदेश का वाराणसी शहर भारत में ही नहीं दुनिया भर में प्रसिद्ध है। अपने गलियों और गंगा घाटों के लिए मशहूर वाराणसी को काशी के नाम से भी जाना जाता है। सर्दियों के मौसम में वाराणसी की ट्रिप प्लान कर सकते हैं। यहां के स्ट्रीट फूड और खरीदारी काफी प्रसिद्ध है।

मसूरी
उत्तराखंड में स्थित खूबसूरत हिल स्टेशन मसूरी में सर्दियों के मौसम में काफी ठंड पड़ती है। सर्दियों के मौसम इस समय यहां ठहरना काफी सस्ता हो सकता है। ठंड की वजह से इस समय मसूरी में टूरिस्ट काफी कम आते हैं तो आप यहां शांति से पहाड़ी वादियों का मजा ले सकते हैं।

कश्मीर
कश्मीर का नाम आते ही मन रोमांच से भर जाता है। सर्दी

के मौसम में कश्मीर में यहां स्नोफॉल होता है। कश्मीर को धरती का स्वर्ग कहा जाता है। अगर आप इस समय कश्मीर ठंड को बर्दाश्त कर सकते हैं तो इस समय आप कश्मीर की सैर काफी कम बजट में कर सकते हैं।

गुजरात
गुजरात में सर्दियों के मौसम में आप कच्छ और भुज जैसे स्थान पर घूमने जा सकते हैं। सर्दियों के मौसम में यहां कई तरह के होने वाले उत्सव को इंजॉय कर सकते हैं। इसके अलावा बीच सिटी मांड्वी में भी आनंद उठा सकते हैं।

दार्जिलिंग
पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग को पहाड़ों की रानी भी कहा जाता है। बताते चलें कि पूरे साल भर यहां खूब पर्यटक आते हैं, सर्दी में पर्यटकों की संख्या में कमी हो जाती है। अगर आप सर्दी में दार्जिलिंग जाना चाहते हैं तो एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है क्योंकि कम पर्यटक आने के कारण आपके बजट के लिए फायदेमंद है।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
संतान की चिंता रहेगी। थोड़े प्रयास से अधिक लाभ होगा। भागदौड़ रहेगी। शत्रु भय रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धनार्जन होगा।

सिंह
बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी।

धनु
प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कुसंगति से बचें। राजकीय बाधा दूर होगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें।

वृष
शुभ समाचार मिलेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। विवाद से बचें। सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा।

कन्या
नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पुराना रोग उभर सकता है।

मकर
भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। उन्नति होगी। घर में तनाव संभव है। जीवनसाथी की चिंता रहेगी।

मिथुन
भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रेम-प्रसंग अनुकूल रहेंगे।

तुला
पूजा-पाठ में मन लगेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। धन प्राप्ति सुगमता से होगी।

कुंभ
स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शत्रु परास्त होंगे। लाभ होगा।

कर्क
फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। थकान रहेगी।

वृश्चिक
चोट, चोरी व विवाद से हानि संभव है। उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। मानसिक अशांति बढ़ेगी।

मीन
व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। अशुभ सूचना मिल सकती है। मानसिक अशांति बढ़ेगी। विवाद से क्लेश संभव है।

पर्यटकों को लुभाने के लिए अपने रिजॉर्ट अपग्रेड कर रहा एमटीडीसी

हर कोई प्रदेश चाहता है कि वह अपने पर्यटन स्थलों को अच्छे से अच्छा बनाएं ताकि वहां ज्यादा से ज्यादा पर्यटक आएं। अधिक पर्यटक आने से न केवल राजस्व बढ़ेगा बल्कि देश में प्रदेश की तारीफ भी होगी।

इसी सोच के साथ महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम ने राज्य में आने वाले देशी और विदेशी पर्यटकों की घटती संख्या को ध्यान में रखते हुए राज्य के सभी टूरिस्ट रिजॉर्ट अपग्रेड करना शुरू कर दिया है। महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम ने अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए नए कदम उठा रहा है।

एमटीडीसी के प्रबंध निदेशक अभिमन्यु काले ने इस बात का जिक्र करते हुए कहा कि सुविधाओं को अपग्रेड करने के साथ ही दिसंबर, 2020 तक राज्य के अलग-अलग स्थानों पर चार नए रिजॉर्ट बनाए जाएंगे। वहीं, एमटीडीसी के अधिकारियों का मानना है कि इस तरह का कदम उठाने से अधिक पर्यटकों को महाराष्ट्र टूरिज्म की तरफ आकर्षित करने में मदद मिलेगी और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

बताते चलें कि एमटीडीसी अब तक 23 रिजॉर्ट की देखभाल करता है और 51 रिजॉर्ट की देखभाल प्राइवेट हाथों में लीज पर दी गई है। जिसमें कहा जा रहा है कि 22 रिजॉर्ट को 30 साल के लिए और 29 रिजॉर्ट को 10 साल के लिए लीज पर दिया गया है।

प्रबंध निदेशक ने बताया कि जिन स्थानों पर चार नए रिजॉर्ट बनाने के लिए, उन स्थानों में चांदपुर, तिलारी, नवेगांव डैम और गंगापुर डैम है। उन्होंने कहा कि ये सभी प्रॉजेक्ट दिसंबर, 2020 में पूरी होने की उम्मीद है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आईपीएल में 'पावर प्लेयर' लाने पर विचार

बीच मैच बदलेगा खिलाड़ी, बढ़ जाएगा रोमांच

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) दुनिया की सबसे सफल क्रिकेट लीगों में शामिल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बड़ा बदलाव करने की योजना बना रहा है। बोर्ड लीग के अगले संस्करण में 'पावर प्लेयर' का नियम लाने पर विचार कर रहा है। इस नियम के तहत टीम मैच में कभी भी विकेट गिरने के बाद या ओवर खत्म के बाद खिलाड़ी को बदल सकती है।

बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने आईएएनएस से कहा कि इस विचार को मंजूरी तो मिल गई है, लेकिन इस पर मंगलवार को मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में होने वाली आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की बैठक में विस्तृत चर्चा की जाएगी। अधिकारी ने कहा, 'हम ऐसी स्थिति पर विचार कर रहे हैं जहां टीमों को अंतिम-11 के बजाए 15 खिलाड़ियों को चुनना हो और एक खिलाड़ी को मैच के दौरान कभी भी विकेट गिरने के बाद या ओवर खत्म होने के बाद बदला जा सके। हम इसे आईपीएल में लाने की सोच रहे हैं, लेकिन आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में इस नियम को लागू करना सही होगा।'

अधिकारी से जब पूछा गया इससे मैच पर किस तरह का असर होगा, तो उन्होंने कहा कि यह नियम मैच का नतीजा बदल सकता है और दोनों टीमों के लिए हटकर सोचने तथा रणनीति बनाने को बढ़ावा देगा।

अधिकारी ने कहा, 'सोचिए की आपको छह गेंदों पर 20 रन चाहिए और आंद्रे रसेल बाहर बैठे हैं, क्योंकि वह पूरी तरह से फिट नहीं और अंतिम-11 का हिस्सा नहीं थे। लेकिन अब इस नियम से वह ऐसी स्थिति में मैदान पर आ सकते हैं और बड़े शॉट लगाकर मैच बदल सकते हैं।'

उन्होंने कहा, 'इसी तरह आपको आखिरी ओवर में अगर आपको छह रन बचाने हैं और आपके पास जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी डग-आउट में बैठा है, तो कप्तान क्या करेगा? वह बुमराह को 19वां ओवर खत्म होने के बाद लेकर आएगा और फिर आप जानते ही हैं। इस नियम में मैच को बदलने का दम है।'

आईपीएल की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में इस नियम के अलावा सदस्य 2019 आईपीएल की समीक्षा करेंगे। साथ ही इस बात पर भी चर्चा होगी कि आगामी सीजन को और लोकप्रिय कैसे बनाया जाए।

बांग्लादेश से हार पर सुनील गावस्कर की टीम इंडिया को नसीहत- भूलना मत, सीखना

नई दिल्ली। भारत-बांग्लादेश के बीच नई दिल्ली में खेला गया पहला टी-20 वायु प्रदूषण के कारण लगातार खतरे में था। हालांकि मैच बिना किसी परेशानी के हुआ। आज दोनों टीमें राजकोट में दूसरा टी-20 मैच खेलेंगी, लेकिन इस मैच पर भी मौसम की बुरी नीयत पड़ रही है। महा नामक तूफान भारत के पश्चिम तट से दूर जा रहा था, लेकिन इसने करवट ली है और अब यह गुजरात तट की ओर बढ़ रहा है। इस मैच को लेकर लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर ने कई बड़ी बातें कही हैं।

सुनील गावस्कर ने 'आजतक' से कहा कि पहले टी-20 मैच को भारतीय टीम को भूलना नहीं चाहिए। इस मैच से टीम को सीखना चाहिए। मुझे लगता है कि पहले मैच में डॉट बॉल ज्यादा हुईं थी। इस पर ध्यान देने की जरूरत है। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की ओर से डॉट बॉल ज्यादा खेली गई थीं। मेरे हिसाब 120 गेदों में 55 गेंदें डॉट थीं, जो ठीक नहीं है। मैंने देखा कि पहले मैच में शुरूआती बल्लेबाज 6 ओवरों में कुछ खास नहीं कर पा रहे थे। यहीं स्थिति गेंदबाजों के साथ भी रही। हमें शुरू के 6 ओवरों पर ध्यान देने की जरूरत है। साथ ही शुरूआती ओवरों में विकेट निकालने होंगे।

शिखर धवन और धोनी के घरेलू क्रिकेट कम खेलने पर गावस्कर ने कहा कि घरेलू क्रिकेट खेलना जरूरी है। इससे लय बनी रहती है। इस टूनार्मेंट से पहले टेस्ट मैच हो रहे थे। घरेलू क्रिकेट ज्यादा नहीं हो रहा था। अगर धवन अगले मैच में नहीं खेल पाए तो सवाल उठेंगे। घरेलू क्रिकेट ना खेलने की वजह से रिदम नहीं बन पाती है।

सुरक्षा कारणों के चलते भारत-पाक मैच इस्लामाबाद से शिफ्ट

नई दिल्ली। इंटरनैशनल टेनिस फेडरेशन (आईटीएफ) ने सुरक्षा कारणों के चलते भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले डेविस कप मुकाबले को न्यूट्रल वेन्यू पर शिफ्ट कर दिया है। आईटीएफ ने सोमवार को यह जानकारी दी। आईटीएफ की ओर से जारी बयान के मुताबिक, इस्लामाबाद में होने वाले इस मुकाबले को न्यूट्रल वेन्यू पर शिफ्ट किया गया है।

आईटीएफ ने कहा, 'एशिया/ओसनिया ग्रुप-1 मुकाबले को इस्लामाबाद में नहीं करने का फैसला किया गया है। अब यह मुकाबला न्यूट्रल वेन्यू पर आयोजित किया जाएगा।' यह मुकाबला 29-30 नवंबर को खेला जाएगा।

बयान के मुताबिक, आईटीएफ के सुरक्षा सलाहकारों की ओर से मिली रिपोर्ट की समीक्षा के बाद, डेविस कप कमिटी ने फैसला किया है कि अब भारत-पाक मैच न्यूट्रल वेन्यू में खेला जाएगा। आईटीएफ और डेविस कप कमिटी की पहली प्राथमिकता ऐथलीटों, अधिकारियों और दर्शकों की सुरक्षा रही है और इसी आधार पर फैसला किया गया है।

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को फिर हराया, सीरीज में 2-1 से बढ़त बनाई

नेल्सन (न्यूजीलैंड)। न्यूजीलैंड ने मंगलवार को नेल्सन में खेले गए तीसरे टी-20 मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को 14 रनों से पराजित कर दिया। इस करीबी मुकाबले में जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। सीरीज का चौथा मुकाबला आठ नवंबर को नेपियर में खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट के नुकसान पर 180 रन बनाए, जिसके जवाब में इंग्लैंड की टीम सात विकेट पर 166 रन ही बना पाई। कॉलिन डि ग्रैंडहोम को उनकी शानदार अर्धशतकीय पारी के लिए 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। इससे पहले, न्यूजीलैंड को मार्टिन गप्टिल (33) ने तेज शुरूआत दिलाई और मेजबान टीम का स्कोर चार ओवरों में ही 40 के पार ले गए। उन्हें पैट ब्राउन ने अपने शिकार बनाया। यहां से इंग्लैंड के गेंदबाजों ने टीम को वापसी कराई और एक समय न्यूजीलैंड का स्कोर तीन विकेट पर 69 रन कर दिया। सलामी बल्लेबाज कॉलिन मुनरो (6) और टिम सिफर्ट (7) जल्दी आउट हो गए।

न्यूजीलैंड को कॉलिन डि ग्रैंडहोम ने संभाला। उन्होंने अनुभवी रॉस टेलर (27) के साथ मिलकर 66 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की। 135 के स्कोर पर ग्रैंडहोम (55) आउट हुए। अंत में जेम्स नीशाम (20) और मिशेल सेंटनर (15) ने टीम के स्कोर को 180 तक पहुंचाया। इंग्लैंड के लिए टॉम कुरेन ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए, जबकि सैम कुरेन, शाकिब महमूद, ब्राउन और मैथ्यू पार्किन्सन ने एक-एक विकेट मिला।

टीम से बाहर होने के डर से विश्राम से बचते हैं भारतीय क्रिकेटर : युवराज

मुंबई। पूर्व भारतीय बल्लेबाज युवराज सिंह ने सोमवार को दावा किया कि देश के कई क्रिकेटर अपना स्थान गंवाने के डर से थके होने के बावजूद विश्राम नहीं लेते। उन्होंने साथ ही उम्मीद जताई कि सौरभ गांगुली के बीसीसीआई अध्यक्ष बनने के बाद इसमें बदलाव आएगा। निजी लीग में खेलने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले युवराज ने खिलाड़ियों के संघ का भी समर्थन किया।

सुप्रीम कोर्ट से नियुक्त लोढ़ा समिति की सिफारिशों के अनुसार खिलाड़ियों का

संघ इंडियन क्रिकेटर्स असोसिएशन पहले ही गठित कर दी गया है। युवराज ने यहां पत्रकारों से कहा, हम इसके हकदार हैं क्योंकि कई बार हमें क्रिकेट खेलने के लिए कहा जाता है जबकि हम ऐसा नहीं चाहते। हमें इस दबाव में खेलना होता है कि अगर हम नहीं खेलते हैं तो हमें बाहर कर दिया जाएगा।

युवराज ने ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल का उदाहरण दिया जिन्होंने मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित मसले के लिये अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विश्राम लिया और बोर्ड ने उनका समर्थन किया।

उन्होंने कहा, खिलाड़ियों पर से यह दबाव खत्म होना चाहिए कि अगर वे थके हुए हैं या चोटिल हैं उन्हें तब भी खेलना होगा। युवराज ने ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल का उदाहरण दिया जिन्होंने मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित मसले के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विश्राम लिया और बोर्ड ने उनका समर्थन किया।

युवी ने कहा, हमारे खिलाड़ी ऐसा नहीं कर सकते क्योंकि उन्हें अपनी जगह गंवाने का डर रहता है। इसलिए खिलाड़ियों का संघ बेहद महत्वपूर्ण है। युवराज ने कहा कि गांगुली के अध्यक्ष बनने के बाद बीसीसीआई में आमूलचूल परिवर्तन होने की संभावना है और अब खिलाड़ियों की भी सुनी जाएगी।

विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे युवराज ने कहा, सौरभ के अध्यक्ष बनने के बाद भारतीय क्रिकेट में कई नई चीजें होंगे। प्रशासकों की नजर में क्रिकेट और क्रिकेटरों की नजर में क्रिकेट में दोनों में काफी अंतर है।

एक बेहद सफल कप्तान क्रिकेटरों के हितों को ध्यान में रखेगा जहां खिलाड़ियों की बातें भी सुनी जा सकती है। ऐसा पहले नहीं हुआ। अब वह क्रिकेटरों की बात भी सुनेंगे कि वे क्या चाहते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अनन्या पांडे की अगली फिल्म फराह खान के साथ?

फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द इयर 2' से बॉलिवुड में डेब्यू करने वाली अनन्या पांडे अपने करियर में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। इस समय उनकी फिल्म पति-पत्नी और वो' चर्चा में बनी है। वहीं, अनन्या पांडे ने अपनी अगली फिल्म को लेकर संकेत दिया है। इसके बाद से ही उनके फैंस फिल्म के बारे में जानने के लिए काफी उत्सुक हो गए है। हाल ही में फिल्ममेकर फराह खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'पति-पत्नी और वो' की स्टार कास्ट कार्तिक आर्यन, अनन्या पांडे और भूमि पेडनेकर के साथ एक तस्वीर शेयर की थी। रिप्लाई में अनन्या पांडे ने इस तस्वीर को अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर करते हुए लिखा, हम आपसे प्यार करते हैं मेरी अगले डायरेक्टर। बता दें कि इस अनन्या पांडे के अगले प्रॉजेक्ट की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। अगर अनन्या पांडे और फराह खान किसी प्रॉजेक्ट में एक साथ काम करते हैं तो यह बहुत दिलचस्प होगा। अनन्या पांडे के वर्कफ्रंट की बात करें तो अगले महीने उनकी फिल्म 'पति-पत्नी और वो' रिलीज होने जा रही है। इसके अलावा ईशान खट्टर के साथ फिल्म 'खाली पीली' में नजर आएंगी। वहीं, फराह खान इस समय डायरेक्टर रोहित शेट्टी के साथ काम कर रही हैं।

मास्क वाली तस्वीर पर ट्रोल हो गईं प्रियंका चोपड़ा

ऐक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा हाल ही में दिल्ली शूटिंग के लिए पहुंचीं लेकिन यहां के हालात देखकर वह चिंतित हो गईं और इंस्टाग्राम पर अपनी राय शेयर की। दरअसल दिल्ली की हवा की गुणवत्ता खतरनाक स्तर भी पार कर चुकी है और लोगों का बाहर निकलना तो क्या सांस लेना भी दूभर हो गया है। ऐसे में प्रियंका ने मास्क पहनकर अपना एक फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर किया। लेकिन प्रियंका के इस पोस्ट पर ही उन्हें बुरी तरह ट्रोल कर दिया गया। जहां कुछ लोगों ने उनके पोस्ट की तारीफ की, तो वहीं कुछ लोगों ने उन्हें सिगरेट पीने को लेकर खिंचाई कर दी। बता दें कि प्रियंका ने अपना मास्क वाला फोटो शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा था, 'मैं फिल्म के लिए फिलहाल दिल्ली में शूटिंग कर रही हूं लेकिन इन स्थितियों में काम करना मुश्किल है। मैं सोच भी नहीं सकती कि ऐसी स्थिति में यहां लोग रहते कैसे हैं। हम खुशकिस्मत हैं कि हमारे पास एयर प्यूरिफायर और मास्क जैसी सुविधाएं हैं। बेघर लोगों के लिए प्रार्थना कीजिए। सभी सुरक्षित रहें। प्रियंका की कई ऐसी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी हैं, जिनमें वह सिगरेट या सिगार पीते हुए नजर आईं। उन तस्वीरों के लिए भी प्रियंका को खूब ट्रोल किया गया था। इतना ही नहीं, मात्र 5 साल की उम्र में ही उन्हें अस्थमा हो गया था। उनके फिल्मी करियर की बात करें, तो प्रियंका कुछ वक्त पहले रिलीज हुई 'द स्काई इज पिंक' में नजर आई थीं। जल्द ही वह हॉलिवुड फिल्म 'वी कैन भी हीरोज' में नजर आएंगी।

सांवले रंग के कारण भेदभाव का शिकार हुई थीं मलाइका

फिल्म ऐक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा का कहना है कि सांवले रंग के कारण उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में शुरूआत में भेदभाव का शिकार होना पड़ा था। मलाइका अरोड़ा ने कहा कि मैं जब फिल्म इंडस्ट्री में आई तो यहां काला-गोरा फैला हुआ था और मुझे हमेशा काले रंग वाली कैटगरी में रखा गया। अपने आइटम नंबर्स के लिए फेमस मलाइका अरोड़ा ने नेहा धूपिया के चैट शो में ये बातें कहीं। इसके अलावा चैट शो में मलाइका अरोड़ा ने अपनी ड्रीम वेडिंग से अर्जुन कपूर के साथ रिश्ते तक कई अन्य बाते भी कीं। बताते चलें कि मलाइका अरोड़ा ऐक्टर अर्जुन कपूर के साथ अपने रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में रहती हैं। दोनों के रिश्ते को लेकर आए दिन कुछ न कुछ खबरें आती रहती हैं। वहीं, ऐक्ट्रेस का कहना है कि वे ट्रोल्स की परवाह नहीं करतीं। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर मुझे बिल्कुल परवाह नहीं है। मुझे सिर्फ उन लोगों के लिए बुरा लगता है जो सिर्फ एक तय तरीके से सोचते हैं।